www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhubpl1@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 36 I अंक –182 I भोपाल, गुरुवार, 3 जुलाई 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

स्मार्ट मीटर लगवाएं और 20 प्रतिशत सस्ती बिजली पाएं — पृष्ठ 2

योगी बंदर की लीला और जनजागरुकता — पृष्ठ 4

नये भाजपा अध्यक्ष के चयन में और देरी संभव — पृष्ठ 4

आदिवासी गांवों की महिलाओं ने शराब माफिया के खिलाफ फिर खोला मोर्चा — पृष्ठ 6

वनतारा जैसे नवाचारों से वन्य-जीव संरक्षण और ईको-सिस्टम बनेगा — पृष्ठ 8

सार-समाचार

सांसद ने अपनी बेटी का दाखिला शासकीय स्कूल में कराया

भोपाल, देशबन्धु। शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने अपनी बेटी गिरीश नंदिनी सिंह का दाखिला अनूपपुर जिले के ग्राम राजेंद्र के शासकीय प्राथमिक कन्या विद्यालय में कराया है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह के इस निर्णय की सराहना की।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस सकारात्मक संदेश से अन्य जन-प्रतिनिधियों एवं नागरिकों को प्रेरणा मिलेगी। जन-सामान्य में सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता के प्रति उनका विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

मोदी 5 देशों की यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अफ्रीका, कैरेबियाई और दक्षिण अमरीकी क्षेत्र के पांच देशों की यात्रा पर बुधवार सुबह रवाना हुए। आठ दिन की इस यात्रा के दौरान मोदी घाना, त्रिनिदाद एवं टोबेगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामिबिया जाएंगे। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा के लिए प्रस्थान करने से पहले एक वक्तव्य में कहा कि मुझे विश्वास है कि इन पांच देशों की मेरी यात्रा से दक्षिण के देशों के साथ हमारे मैत्रीपूर्ण रिश्ते मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री चार और पांच जुलाई को अर्जेंटीना में होंगे और वहां से ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील के रियो डि जेनेरियो जाएंगे और वहां पांच से सात जुलाई तक ब्रिक्स की बैठकों में हिस्सा लेंगे।

पद्म पुरस्कार के लिए नामांकन 31 जुलाई तक

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन की अंतिम तारीख 31 जुलाई 2025 है। सरकार के अनुसार पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं।

भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ उदयगिरि

नई दिल्ली, एजेंसी। नौसेना के तरकश में तमाल के बाद एक और घातक तीर जुड़ गया है, वो है उदयगिरि। तमाल रूस में बना है तो उदयगिरि अपने देश में। प्रोजेक्ट 17 ए के तहत मझगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड ने इसे तैयार किया हैं। मझगांव डॉकयार्ड ऐसे सात फ्रिगेट बना रहा है जिसमे उदयगिरि दूसरा है। यह लॉन्चिंग के 37 महीने में नौसेना को हैंड ओवर कर दिया गया है जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। उदयगिरि को आप शिवालिक क्लास का आधुनिक संस्करण कह सकते हैं। वैसे ये नीलगिरी क्लास का दूसरा फ्रिगेट हैं। यह मल्टी मिशन फ्रिगेट ब्लू वाटर नेवी संचालन में सक्षम है। यह भारत के समुद्री इलाके में पारंपरिक और आपारंपरिक खतरों का मुकाबला करने में पूरी तरह सक्षम हैं।

सावित्रीबाई फुले के नाम से अब जाना जाएगा एनआईपीसीसीडी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले संगठन राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी) का नाम बदलकर सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान कर दिया गया है। बुधवार को एक विज्ञप्ति में महिला बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के हवाले से कहा गया है कि एनआईपीसीसीडी का नाम बदलकर सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान करना भारत के अग्रणी समाज सुधारकों में से एक की विरासत को एक श्रद्धांजलि है और यह महिला एवं बाल-केंद्रित विकास के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

देश में बाढ़-बारिश का कहर : भूस्खलन से चलते कई सड़कें बंद

हिमाचल में 16 जगह बादल फटे, अब तक 51 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई राज्यों में भारी बारिश और भूस्खलन से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जहां उत्तराखंड में चार धाम यात्रा पर रोक लगाई गई है, कई नदियां उफान पर हैं और शहरों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। हिमाचल प्रदेश में 20-21 जून को मानसून की एंट्री हुई थी। अब तक 20 से ज्यादा जगह बादल फटने की घटना हो चुकी हैं। अकेले 30 जून की रात मंडी और किन्नौर में 16 जगह बादल फटे थे।

इस मानसून में राज्य में लैंडस्लाइड-बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है। 22 से ज्यादा लोग लापता हैं। 40 के करीब मकान पूरी तरह ढह गए हैं। मंडी जिले से बहने वाली ब्यास नदी उफान पर है। राज्य में आज तेज बारिश का रेड अलर्ट है। मंडी के पास सराज क्षेत्र में बादल फटने के बाद

भारी बारिश से पटिकरी पावर प्रोजेक्ट पूरी तरह तबाह हो गया। घटना के वक्त इसमें 12 कर्मचारी काम कर रहे थे। सभी ने किसी तरह भागकर जान बचाई।

राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में हो रही बारिश आफत बन गई है। कोटा के मोड़क कस्बे में बाढ़ के हालात हैं। घर, स्कूल, हॉस्पिटल,, एटीएम तक में पानी भर गया है। चार-चार फीट तक पानी घरों में बह रहा है। चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा में गूंजली नदी का पानी पुल के ऊपर से तक बह रहा है। आधा दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क कट गया है। छत्तीसगढ़ के राजपुर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

काशी में गंगा का जलस्तर बढ़ा, 20 मंदिर जलमग्न

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 8.8 मिमी बारिश हुई है, जो कि नॉर्मल 7.2 से 15 प्रतिशत कम है। यूपी में बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे स्थित 20 छोटे मंदिर जलमग्न हो गए हैं। मणिकर्णिका घाट तक पानी पहुंच गया है। गंगा द्वार घाट से मणिकर्णिका घाट का संपर्क टूट गया है। स्थिति ऐसी ही बनी रही तो जल्द ही घाटों पर घूमना-फिरना बंद हो जाएगा। उन्नाव में जोरदार बारिश हुई है। यहां परियर चौकी में पानी घुस गया, जिसे सिपाहियों ने बाल्टी से निकाला।

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने सुनाया फैसला

शेख हसीना को 6 माह जेल की सजा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अदालत की अवमानना के आरोप में दोषी ठहराया गया है और छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने सजा का एलान किया है। बुधवार को तीन सदस्यों वाली पीठ ने यह फैसला सुनाया।

बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण की पीठ की अध्यक्षता जस्टिस मोहम्मद गुलाम मुर्तजा मजूमदार ने की। यह पहली बार है जब किसी मामले में शेख हसीना को जेल की सजा सुनाई गई

अदालत की अवमानना का ठहराया दोषी

है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते साल शेख हसीना की एक ऑडियो क्लिप लीक हुई थी। यह ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुई और उसके बाद बांग्लादेशी मीडिया ने भी इसे प्रसारित किया था। इस ऑडियो क्लिप में कथित तौर पर शेख हसीना गोबिंदगंज उपजिला चेयरमैन शकील बुलबुल से बात कर रहीं थी, जिसमें उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ 227 मामले दर्ज हुए हैं, इसलिए मुझे 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

80 साल की मां ने बेटे के साथ आसमान में लगाये गोते

नई दिल्ली, एजेंसी। उम्र, बीमारी और ऊंचाई डॉ. श्रद्धा चौहान के लिए कोई मायने नहीं रखती, जिन्होंने अपने 80वें जन्मदिन को विश्वास की छलांग के साथ मनाया। चक्कर, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस और प्रोलैप्स्ड स्पाइनल डिस्क को चुनौती देते हुए, वह 10,000 फीट से छलांग लगाकर टेंडम स्काईडाइव पूरा करने वाली सबसे उम्रदराज भारतीय महिला बन गईं।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि को उनके बेटे ब्रिगेडियर सौरभ सिंह शेखावत की मौजूदगी ने और भी खास बना दिया, जो स्काईहाई इंडिया में एक कुशल सैनिक, पर्वतारोही, घुड़सवार और स्काईडाइविंग प्रशिक्षक हैं। साथ में, उन्होंने एक मील का पत्थर मनाने के लिए आकाश में उड़ान भरी, जिसने तब से हजारों लोगों के दिलों पर कब्जा कर लिया है।

स्काईहाई इंडिया द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई छलांग का एक वीडियो पहले ही 1,26,000 से अधिक बार देखा जा चुका है। क्लिप एक शक्तिशाली परिचय के साथ शुरू होती है: भारत में स्काईडाइव करने वाली सबसे उम्रदराज महिला से मिलें। वह 80 वर्ष की हैं। कैप्शन में लिखा है : एक माँ। एक मील का पत्थर। एक ऐसा पल जो उड़ान भर गया। हिम्मत की कोई उम्र नहीं होती। प्यार की कोई ऊँचाई नहीं होती। वीडियो में, ब्रिगेडियर शेखावत गर्व से अपनी माँ का परिचय देते हैं : वह 80 साल की हो रही हैं। और आज मुझे अपनी माँ के साथ कूदने का सौभाग्य और सम्मान मिला है। एक दिल को छू लेने वाले पल में, डॉ. चौहान अपने बेटे के गाल पर एक चुंबन देते हैं और उसे जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हैं, जिससे शांति और आत्मविश्वास झलकता है। वह उस दिन अपने पूरे हुए जीवन भर के सपने को याद करती हैं : तमन्ना जो बचपन में थी कि हम भी आकाश में उड़े जैसे हवाई जहाज़ उड़ रहे हैं, वो हमारे बेटे के द्वारा इच्छा पूरी हो रही है, बहुत गर्व का पल है। (बचपन से ही मेरा सपना था कि मैं हवाई जहाज की तरह आसमान में उड़ूं, लेकिन अब मेरा बेटा मुझे पूरा कर रहा है। यह बहुत गर्व का पल है।) विमान में चढ़ते समय अपने बेटे का हाथ थामे डॉ. चौहान ने अटूट उत्साह दिखाया। पूरी तरह से तैयार और निडर मां-बेटे की जोड़ी ने खुले आसमान में छलांग लगाई और जयकारों और जश्न के बीच सुरक्षित उतर गए। वीडियो का अंत उनके जन्मदिन का केक काटने और दिल से शुभकामनाएं प्राप्त करने से होता है - उनमें से एक वीडियो कॉल के माध्यम से है - और फिर स्क्रीन पर संदेश आता है- क्योंकि साहस की कोई उम्र नहीं होती। जन्मदिन मुबारक हो, आयरन लेडी। सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी तारीफ की। एक टिप्पणी में लिखा था, क्या सपना सच होने जैसा पल है... सर, आप और आपकी मां दोनों ही कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा हैं। जन्मदिन की शुभकामनाएं मैडम। एक अन्य ने लिखा, वाह... यह कितना अद्भुत और प्रेरणादायक है। आपको और शक्ति मिले! ब्रिगेडियर शेखावत ने आभार व्यक्त करते हुए कहा- इस तरह के प्यार, स्नेह और शुभकामनाओं के लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। घर पहुँचने के बाद, मैं अपनी माँ को सभी संदेश पढ़ने के लिए कहूँगा क्योंकि वह इंस्टाग्राम पर नहीं हैं। एक बार फिर, आप सभी का धन्यवाद।

सर्वसम्मति से हुआ चुनाव, निर्वाचन अधिकारी धर्मेन्द्र प्रधान ने सौंपा प्रमाण पत्र

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद पर खंडेलवाल की ताजपोशी, बोले- अनुशासन सर्वोपरि

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष पद पर हेमंत खंडेलवाल की ताजपोशी हो गई है। उन्हें सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है। केन्द्रीय मंत्री एवं चुनाव अधिकारी धर्मेन्द्र प्रधान ने उनके विधिवत निर्वाचन की घोषणा की और उन्हें प्रमाण पत्र सौंपा। श्री खंडेलवाल ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि उन्हें महत्वपूर्ण दायित्व मिला है। पार्टी के लिए अनुशासन सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि दाएं-बाएं करने वाले को दिक्कत होगी।

पार्टी में सब मिलकर काम करते हैं। इस वजह से यहां पर सभी का सम्मान होता है। भाजपा का परिवार कई वर्षों से कांग्रेस के विरुद्ध झंडा बुलंद करता आया है। और आगे भी करता रहेगा उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सम्मान में कोई कमी नहीं आएगी। सत्ता और संगठन दोनों मिलकर काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि पार्टी को बुलंदियों पर बरकार रखना है, आगे भी ले जाना है। भाजपा किसी भी कार्यकर्ता को उसकी क्षमता के अनुरूप पद पर बैठाती है। उन्होंने कहा कि विश्व गुरु आज हम नरेंद्र मोदी जी के कारण हैं। अमित शाह, जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में हमें काम करना है। पहले एक मिथक था कि हम पांच साल पूरा नहीं कर पाते हैं। शिवराज सिंह चौहान ने इस मिथक को तोड़ा है, वो कल्याणकारी योजनाएं लेकर आए और वो मिथक टूट गया। श्री खंडेलवाल ने मुख्यमंत्री मोहन यादव की भी तारीफ करते हुए कहा कि वे हमारे प्रदेश में रोजगार और उद्योगों को लाने का काम कर रहे हैं।

हम की भावना से बढ़ती है हमारी ताकत : डॉ. यादव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय परिषद सदस्यों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता इस भाव से काम नहीं करता कि मैं राजनीति कर रहा हूं। वह क्षेत्र के विकास और भारत माता की सेवा के लिए काम करता है। उन्होंने कहा कि अपनी भूमिका को कैसे और आगे बढ़ाऊ, अपनी कमजोरियों को दूर कर किस तरह से अच्छाईयों को धारण करूं। इसी भावना के साथ हमारी निर्वाचन प्रक्रिया पूरी हो गई और किसी को पता नहीं चला। डॉ. यादव ने कहा कि हमारे बीच तुम नहीं, हम की भावना ■ शेष पृष्ठ 8 पर

खंडेलवाल सहज नेता : प्रधान

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संबोधन में हेमंत खंडेलवाल को सहज, विनम्र राजनेता बताते हुए कहा कि वह सबको साथ लेकर चलने वाले हैं। श्री प्रधान ने डॉ. मोहन यादव सरकार की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सरकार पूरी निष्ठा से जनता की सेवा में लगी है और भाजपा को कई अनुभवी नेताओं का सहयोग प्राप्त है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की राजनीति में आज एक नया अध्याय जुड़ रहा है।

शर्मा ने भावुक होकर ली विदाई, मांगी माफी

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का कार्यभाल संभालने से पहले हेमंत खंडेलवाल को निवर्तमान अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी का ध्वज सौंपा और भावुक होकर विदाई ली। इस मौके पर अपने संबोधन में श्री शर्मा ने कहा कि मेरे पांच साल चार महीने के कार्यकाल में यदि मेरे किसी व्यवहार से किसी को ठेस पहुंची हो, तो मैं क्षमा चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में भाजपा की उपलब्धियों के पीछे 41 लाख से अधिक कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण है, जिन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया।

शिवराज ने विष्णु के कार्यकाल की सराहना की

पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विष्णुदत्त शर्मा और उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें भाजपा का शुभंकर बताया। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी ने हर चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया और संगठन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। शिवराज ने हेमंत खंडेलवाल को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए भरोसा जताया कि वे इसे पूरी लगन और कुशलता से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि शर्मा के नेतृत्व में भाजपा को पंचायत, नगरीय निकाय, विधानसभा और लोकसभा चुनावों में जीत मिली।

संसद की सुरक्षा में सेंध के आरोपी नीलम-महेश को राहत

दिल्ली हाईकोर्ट ने 50 हजार रुपए के निजी बॉण्ड पर दी जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद की सुरक्षा में चूक के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने दो आरोपियों नीलम आजाद और महेश कुमावत को जमानत दे दी है। हाईकोर्ट ने आरोपियों को 50-50 हजार रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो जमानतों पर राहत प्रदान की। निचली अदालत ने दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

बता दें कि 13 दिसंबर 2023 को संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में अन्य आरोपियों के साथ गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले निचली अदालत ने आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। जिसके बाद आरोपियों ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और हरीश वैद्यनाथन शंकर की बेंच ने नीलम आजाद और महेश कुमावत को जमानत दी है। मामला 2023 का है, जिस दिन संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी भी थी। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान सागर शर्मा और मनोरंजन डी दर्शक दीर्घा से नीचे सदन में कूद गए थे। उन्होंने जूते से स्मोक कैन निकालकर पीली गैस छोड़ी और नारेबाजी की। लगभग उसी समय, दो अन्य आरोपियों अमोल शिंदे और नीलम आजाद ने संसद परिसर के बाहर रंगनी गैस छोड़ी और नारेबाजी की। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। दिल्ली पुलिस ने जमानत ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हफ्ते में 3 दिन थाने में देंगे हाजिरी

अदालत ने जमानत देने से पहले कुछ शर्तें भी रखी हैं। न्यायाधीश ने उन्हें मीडिया को साक्षात्कार न देने और घटना से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट न करने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा दोनों व्यक्तियों को हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को सुबह 10:00 बजे संबंधित पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करने और दिल्ली-एनसीआर से बाहर न जाने का भी निर्देश दिया है।

कोविड के बाद मौतों पर आईसीएमआर के शोध में दावा

अचानक मौतों की वजह कोरोना वैक्सीन नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) ने अपने शोध में बताया कि देश में हार्ट अटैक से होने वाली अचानक मौतों का कोविड वैक्सीन से कोई सीधा संबंध नहीं है। यह स्टडी 18 से 45 साल के लोगों की अचानक मौत पर आधारित है।

18 से 45 साल के लोगों की मौतों पर किया गया शोध

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। स्टडी में कहा गया है कि भारत की कोविड वैक्सीन सेफ और इफेक्टिव है। इससे होने वाले गंभीर साइड इफेक्ट के मामले रेयर हैं। शोधी में बताया गया है कि अचानक हुई मौतों की अन्य वजहें हो सकती हैं। इनमें जेनेटिक्स, लाइफ स्टाइल, पहले से मौजूद बीमारी और कोविड के बाद के कॉम्प्लिकेशन शामिल हैं। भारत में दो कोविड वैक्सीन विकसित हुई थीं। भारत बायोटेक ने आईसीएमआर के सहयोग से कोवैक्सिन का निर्माण किया था। वहीं, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनेका के फॉर्मूले से कोवीशील्ड बनाई थी। आईसीएमआर व एनसीडीसी अचानक होने वाली मौतों की वजह समझने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। इसके लिए दो रिसर्च स्टडी की जा रही हैं। पहली पिछले डेटा पर आधारित थी और दूसरी रियल टाइम इन्वेस्टिगेशन से जुड़ी है। पहला शोध कोविड वैक्सीन से अचानक मौत का जोखिम नहीं। आईसीएमआर के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी ने मई, 2023 से अगस्त, 2023 तक 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 47 अस्पतालों पर स्टडी की। इसमें ऐसे लोगों का डेटा देखा गया जो स्वस्थ दिख रहे थे, लेकिन अक्टूबर, 2021 से मार्च, 2023 के बीच अचानक उनकी मौत हो गई। नतीजों से पता चला कि कोविड वैक्सीन अचानक मौत का जोखिम नहीं बढ़ाती। दूसरा शोध अधिकतर मौतों का कारण जेनेटिक म्यूटेशन। यह ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस और ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अचानक मौत होने के कई कारण : सरकार

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि अचानक हो रहीं मौतों की देश की विभिन्न एजेंसियों ने जांच की है और जांच में पाया गया है कि इनका कोरोना वैक्सीन से कोई सीधा संबंध नहीं हैं। आईसीएमआर और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने भी अपने अध्ययन में इसकी पुष्टि की है। सरकार ने कहा कि कोरोना वैक्सीन सुरक्षित और प्रभावकारी है और इसके दुर्लभ ही किसी पर गंभीर परिणाम दिखे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अचानक हो रही मौतों के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें जेनेटिक्स, हमारा रहन-सहन और दिनचर्या, पहले से कोई बीमारी और कोरोना संक्रमित होने के बाद की दिक्कतें शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने की ऊर्जा विभाग की समीक्षा, कहा-

स्मार्ट मीटर लगवाएं और 20 प्रतिशत सस्ती बिजली पाएं

बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए साल भर मेंटीनेंस गतिविधियां चलाने के निर्देश

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बिजली सबकी जरूरत है। सबको जरूरत के अनुसार बिजली उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिजली सस्ती दरों पर मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर मॉडल सबसे अच्छा है, इसलिए विद्युत उपभोक्ताओं के हित में सबके घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जाएं। इससे उपभोक्ताओं को 20 प्रतिशत सस्ती दर पर बिजली मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट मीटर लगाने से उपभोक्ताओं को मिलने वाले लाभों का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें उपभोक्ता को खुद की खपत का आंकलन कर ऊर्जा का अपनी सुविधानुसार उपयोग कर अपने बिजली बिल की राशि को कम से कम करने की सुविधा भी मिलती है। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को स्मार्ट मीटर लगाने की गति को और तेज करने के निर्देश दिये। बताया गया कि प्रदेश में 1.34 करोड़ घरेलू स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 21 लाख से भी अधिक घरेलू स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मई-जून में विभिन्न स्थानों पर हुए विद्युत अवरोधों पर चर्चा करते हुए कहा कि विद्युत उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए साल भर मेंटीनेंस गतिविधियां चलाई जाएं, ताकि आंधी, पानी या अन्य किसी घटना के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित न हो। उन्होंने कहा कि मेंटीनेंस गतिविधियों में नई एप्रोच के साथ नए उपाय किए जाएं। नये उपकरण क्रय किये जाएं। जहां घने पेड़ हैं, उनके नीचे से गुजरने वाले बिजली के तारों में कोटिंग कराएं। पॉवर/लाईन लॉसेस कम से कम करें और ऊर्जा की बचत के सभी तरीकों पर गंभीरता से अमल करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि घरेलू हो या औद्योगिक सभी जगह विद्युत का उपयोग बढ़ रहा है। इसलिए घरेलू और औद्योगिक संस्थानों को सोलर पॉवर के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इससे उपभोक्ता अपनी बिजली स्वयं पैदा कर अतिरिक्त बिजली बेच भी सकेगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में विद्युत उपयोग को भी सोलर पॉवर से चलित पम्पों पर शिफ्ट किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जरूरत वाले जिलों में

ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग यूनिट की स्थापना के लिए विभागीय नीति तैयार कर लें। उन्होंने कहा कि विद्युत उपभोक्ताओं को सर्वाधिक लाभ उपलब्ध कराने के लिए ऊर्जा और नवकरणीय ऊर्जा विभाग मिलकर प्रयास करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले दो साल में तीनों विद्युत वितरण कंपनियां लाभ की ?स्थिति में आ जाएं इसके लिए विद्युत कंपनियां अपनी आय के साधन बढ़ाने के प्रयास करें। नई तकनीक इस्तेमाल करें, नवाचार करें, ताकि कंपनी के साथ-साथ उपभोक्ताओं को फायदा मिले।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रबी 2025-26 के लिये पर्याप्त बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करें। इसके लिये अभी से तैयारियां शुरू करें। बैठक में बताया गया कि रबी सीजन में लगभग 20200 मेगावॉट विद्युत मांग संभावित है। गत वर्ष यह मांग 18 हजार 913 मेगावॉट थी। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मंडलोई ने बताया कि दूसरे राज्यों की तुलना में ऊर्जा के प्रमुख सूचकांकों में (संग्रहण दक्षता में) मध्यप्रदेश देश में पहले नम्बर पर है। प्रदेश में 97.92 प्रतिशत संग्रहण क्षमता हासिल की गई है। उन्होंने बताया कि विभाग ने वर्तमान वित्त वर्ष के साथ-साथ अगले तीन वर्षों के लिए अपने लक्ष्य तय कर लिए हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 तक ऊर्जा विभाग बिजली दर टैरिफ में कमी लाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि इसी दौरान विभाग बिल दक्षता 90 प्रतिशत, संग्रहण दक्षता 99 प्रतिशत और एटी एण्ड सी हानि को 14 प्रतिशत तक कम कर लेने के लक्ष्य के लिए प्रयासरत है। बैठक में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा ने बताया कि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री जनजाति न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) में विशेष पिछड़े जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के 29 हजार 290 परिवारों के घरों को शत प्रतिशत विद्युतीकरण कर देने का लक्ष्य लिया गया है। वर्तमान वित्त वर्ष में अब तक 21 हजार से अधिक पीवीटीजी परिवारों के घरों को विद्युतीकृत कर दिया गया है।

वन टाइम सेटलमेंट स्कीम

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि बिजली बिल की बकाया राशि के समाधान के लिए विभाग द्वारा वन टाइम सेटलमेंट स्कीम प्रारंभ की जा रही है। घरेलू, औद्योगिक एवं वाणिज्यिक सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को उनकी मूल बिजली बिल राशि में अधिभार की छूट देकर बकाया राशि जमा करने की सुविधा दी गई है। यह स्कीम छह माह की अवधि के लिए लागू की जाएगी। इस अवधि के बाद भी बिजली बिल भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन विच्छेदित कर दिया जाएगा। उन्होंने विद्युत वितरण कम्पनियों के नये सेटअप के संबंध में भी चर्चा की। श्री तोमर ने मुख्यमंत्री द्वारा ऊर्जा विभाग के विभिन्न प्रस्तावों की स्वीकृति पर उनका आभार व्यक्त किया।

देर रात हुआ प्रशासनिक फेरबदल

संजीव झा नए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, सुखबीर लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव बने

भोपाल, देशबन्धु। राज्य शासन ने 4 वरिष्ठ भारतीय नागरिक सेवा के अधिकारियों के तबादले किए है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश में संजीव झा जहां नए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पदस्थ किए गए हैं। वहीं सुखबीर सिंह को पीडब्ल्यूडी का प्रमुख सचिव बनाया गया है।

देर रात जारी तबादला आदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा के 4 अधिकारी स्थानांतरित किए गए हैं। जाारी आदेश के मुताबिक राजस्व मंडल ग्वालियर में सदस्य के रूप में पदस्थ आईएएस संजीव कुमार झा को मध्यप्रदेश का नया मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। श्री झा विधि एवं विधायी कार्य विभाग के पदेन प्रमुख सचिव (केवल निर्वाचन कार्य के लिए) होंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखबीर सिंह को लोक निर्माण विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई को लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। वहीं रघुराज एम आर को तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग से हटाकर श्रम विभाग में सचिव नियुक्त किया गया है। खनिज साधन एवं पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव श्रम विभाग के अतिरिक्त प्रभार से हटा दिया गया है। आईएएस अनिल सुचारी को सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग को स्थानांतरित कर अब आयुक्त सागर संभाग पदस्थ किया गया है।

जबकि मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के सचिव मुकेश चंद्र गुप्ता सदस्य, राजस्व मंडल बनाए गए हैं, साथ में ग्वालियर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव तथा राहत एवं पुनर्वास आयुक्त विवेक कुमार पोरवाल को प्रमुख सचिव, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी उन्हें दिया गया है।

समन्वय भवन में राज्य स्तरीय सहकारी कार्यशाला में सहकारिता मंत्री बोले

पारदर्शिता और ईमानदारी से मजबूत होगा सहकारी आंदोलन

भोपाल, देशबन्धु। पारदर्शिता, ईमानदारी और नवाचार के जरिए सहकारी आंदोलन को मजबूत किया जा सकता है। इसके लिए पूरी सहकारिता की टीम कृत-संकल्पित होकर काम करे। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने आज बुधवार को समन्वय भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के उपलक्ष्य में सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के विभिन्न पहलुओं पर राज्य स्तरीय सहकारी कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए पैक्स का सुदृढ़ीकरण करना आवश्यक है। इसके लिए संभागीय और जिला अधिकारी अधीनस्थ पैक्स का निरीक्षण करें। मुख्यालय के अधिकारियों को भी संभागवार जिम्मेदारी दी जाए, जो उनके अधीनस्थों की समस्या एवं सुझावों पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था

के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करने में पैक्स की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

उन्होंने कहा कि सेल्फ हेल्प ग्रुप सहकारिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। श्री सारंग ने कहा कि हाल ही में केन्द्र सरकार को दिए गए प्रेजेंटेशन में सबसे अच्छा प्रेजेंटेशन मध्यप्रदेश का रहा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की नवाचार विंग और सीपीपीपी मॉडल को भूरी-भूरी प्रशंसा मिली है। यही नहीं कंप्यूटराइजेशन की दिशा में भी मध्यप्रदेश देश में नंबर एक पर रहा है, जो सराहनीय है।

अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णबाल ने कहा कि हर पैक्स को केडिट के अलावा 3 एक्टीविटी करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पैक्स सुदृढ़ हो यह लक्ष्य होना चाहिए। बिजनेस सोसायटियों के सदस्यों के खाते हमारे यहां होना चाहिए। साथ ही उनके लिए माइक्रो एटीएम की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। सहकारिता आयुक्त एवं पंजीयक मनोज पुष्प ने कहा कि सहाकारिता के सकारात्मक बदलाव के दौर में अधिकारी अपनी अहम भूमिका को पहचानकर दायित्वों का निर्वहन करें। सहकारिता के मॉडलाइजेशन को धरातल पर क्रियान्वित करें। अधिकारी अपनी लीडरशिप में प्रगति का फॉलोअप लें और पैक्स को बिजनेस यूनिट बनाने में सक्रिय भूमिका निभाए।

अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज कुमार गुप्ता ने स्वागत भाषण में कार्यशाला में हुई गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उप सचिव मनोज सिन्हा ने केन्द्र सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों से अवगत करवाया। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त, उप आयुक्त, जिला सहकारी बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और समिति प्रबंधकों सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जबलपुर ग्वालियर उज्जैन के लोकायुक्त के एसपी बदले

भोपाल, देशबन्धु। राज्य शासन ने लोकायुक्त संगठन और आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू)में पदस्थ अधिकारियों के तबादले किए गए है। देर रात हुए इन तबादलों में ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर के लोकायुक्त एसपी के साथ ईओडब्ल्यू के अधिकारियों को स्थानांतरित किया गया है। राज्य शासन आदेश के मुताबिक लोकायुक्त ग्वालियर के एसपी राजेश कुमार मिश्रा को पीएचक्यू में एआईजी पदस्थ किया गया है। वहीं, एएसपी जबलपुर समर वर्मा को एसपी ईओडब्ल्यू उज्जैन और एसपी लोकायुक्त उज्जैन अनिल विश्वकर्मा को एसपी ईओडब्ल्यू जबलपुर बनाया गया है। ईओडब्ल्यू मुख्यालय भोपाल एआईजी पल्लवी त्रिवेदी को एआईजी पीएचक्यू, एसपी लोकायुक्त जबलपुर संजय साहू को एआईजी पीएचक्यू, एआईजी अईओडब्ल्यू भोपाल सुनील पाटीदार को एसपी लोकायुक्त रीवा, उपसेनानी छठवीं वाहिनी एसएएफ जबलपुर अंजुलता पटले को एसपी लोकायुक्त जबलपुर, एएसपी क्यूडी पीटीसी भौंरी यास्मीर जहरा जमाल को एआईजी पीएचक्यू, एएसपी ग्वालियर निरंजन शर्मा को एसपी लोकायुक्त ग्वालियर और एएसपी लोकायुक्त जोन-4 नगरीय पुलिस इंदौर आनंद यादव को एसपी लोकायुक्त उज्जैन स्थानांतरित किया गया है।

लोक निर्माण मंत्री ने परियोजनाओं को लेकर अधिकारियों से की चर्चा

जबलपुर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन का नया रूप लेगा

भोपाल, देशबन्धु। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक शहर जबलपुर अब पर्यटन के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान की ओर अग्रसर है। पर्यटन को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने के मकसद से मदन महल की पहाड़ियों पर स्थित ठाकुरताल क्षेत्र को एक एमिनेंट पर्यटन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना में 'फॉरेस्ट सफारी - जू कम रेस्क्यू सेंटर' और संग्राम-सागर तालाब के समग्र विकास को भी सम्मिलित किया गया है। श्री सिंह ने आज इस परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए वन मंडल अधिकारी ऋषि मिश्रा और कंसलटेंट दुबे से विस्तृत चर्चा कर योजना की रूपरेखा तैयार की।

श्री सिंह ने बताया यह पर्यटन परियोजना लगभग 85 से 100 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित की जाएगी जिसमें पर्यटकों को प्राकृतिक वन्य जीवन और आधुनिक तकनीकों का समन्वित अनुभव मिलेगा। इस केंद्र में रोबोटिक इंटरप्रिटेशन सेंटर, बटरफ्लाई पार्क, तथा लॉन्ग कार्निवल जैसी आधुनिक सुविधाएँ शामिल होंगी, जिसमें येलो टाइगर, व्हाइट टाइगर, पैंथर, लायन और भालू जैसे आकर्षक वन्य-जीव रहेंगे। इसके अतिरिक्त रेप्टाइल हाउस में मगरमच्छ और सांप और एग्जॉटिक और नेटिव बर्ड्स के लिए विशेष क्षेत्र बनाए जाएंगे। ज़ेब्रा और जिराफ के लिए एक अलग एग्जॉटिक पार्क, वाटर इंटरप्रिटेशन सेंटर, और स्पीशीज वाइज इंटरप्रिटेशन सेंटर जैसे अनेक नवाचार इस परियोजना की विशेषता होगी। उन्होंने कहा कि परियोजना को गरिमा प्रदान करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसे वीरांगना रानी दुर्गावती जी के नाम पर विकसित करने की घोषणा की है। यह निर्णय जबलपुर के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव को और भी सशक्त करेगा। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने इस उपलब्धि के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार

पीक आवर्स में वसूल सकेंगी दोगुना किराया

ओला, उबर व रैपिडो के किराए में होगी बढ़ोतरी

सरकार ने नियमों में दी ढील

नई दिल्ली, एजेंसी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2025 के लिए मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइड लाइंस जारी की हैं। इन गाइड लाइंस के तहत कैब एग्रीगेटर्स (जैसे ओला, उबर वगैरह) को अब पीक आवर्स यानी सबसे ज्यादा मांग वाले समय में बेस किराए का दोगुना चार्ज करने की अनुमति मिल गई है।

पहले यह सीमा 1.5 गुना थी। वहीं, नॉन-पीक ऑवर्स में न्यूनतम किराया बेस फेयर का 50 प्रतिशत रखना अनिवार्य होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अपने मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा-निर्देश 2025 में कहा है कि एग्रीगेटर को आधार किराये से न्यूनतम 50 प्रतिशत कम किराया लेने तथा उप-खण्ड (17.1) के तहत निर्दिष्ट आधार किराये से अधिकतम दो गुना डायनैमिक प्राइसिंग की अनुमति होगी। नई गाइड लाइंस के अनुसार, बेस फेयर कम से कम 3 किलोमीटर के लिए तय किया जाएगा। इसका मकसद डेड माइलेज को कवर करना है। यानी वो दूरी जो ड्राइवर बिना सवारी के तय करता है या किसी सवारी को लेने के लिए यात्रा करता है। इससे ड्राइवर को बेहतर मुआवजा मिलेगा।

कैंसलेशन पर अब लगेगा जुर्माना

अगर ड्राइवर बिना किसी वाजिब कारण के राइड कैंसल करता है, तो उस पर कुल किराए का 10 प्रतिशत (अधिकतम 100 रुपये तक) जुर्माना लगेगा। इसी तरह, अगर यात्री भी बिना किसी वाजिब वजह के राइड कैंसल करता है, तो उसी तरह का जुर्माना उस पर भी लगेगा। सरकार एक ऐसा पोर्टल विकसित करेगी जिससे एग्रीगेटर्स को लाइसेंस के लिए एक ही जगह से आवेदन करने की सुविधा मिलेगी। लाइसेंस फीस 5 लाख रुपये तय की गई है और यह पांच साल के लिए वैध रहेगा।

राज्य सरकार तय करेगी बेस फेयर

गाइड लाइंस में यह भी साफ किया गया है कि अलग-अलग कैटेगरी या क्लास की गाड़ियों के लिए राज्य सरकार जो किराया तय करेगी, वही एग्रीगेटर का बेस फेयर माना जाएगा। राज्यों को इन नए नियमों को तीन महीने के भीतर अपनाने की सलाह दी गई है। गाइड लाइंस में यह भी कहा गया है कि एग्रीगेटर्स को अपने ड्राइवरों के लिए कम से कम 5 लाख रुपये का हेल्थ इंश्योरेंस और 10 लाख रुपये का टर्म इंश्योरेंस देना अनिवार्य होगा। इससे ड्राइवरों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित होगा।

इंजन फेल होने से हुआ विमान हादसा

लाइट सिमुलेटर पर जांच से तह तक पहुंचने की कवायद

नई दिल्ली, एजेंसी। । अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे को दो हफ्ते से ज्यादा का समय बीत चुका है और जांचकर्ता इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि इस हादसे की वजह क्या रही। एअर इंडिया के पायलटों ने हादसे की वजह जानने के लिए फ्लाइट सिमुलेटर पर भी जांच की। इस जांच में पता चला है कि संभवत: विमान के दोनों इंजन फेल होने की वजह से विमान क्रैश हुआ होगा।

तकनीकी खराबी का अंदेशा

जांच के दौरान एयरलाइन के पायलटों ने फ्लाइट सिमुलेटर में विमान के उड़ान के दौरान के विभिन्न पैरामीटर्स को फिर से दोहराया, जिसमें लैंडिंग गियर की स्थिति और विंग फ्लैप को वापस खींचना शामिल था। इस जांच में पाया गया कि केवल इन सेटिंग्स की वजह से हादसा नहीं हुआ। पिछली कुछ जांच में पता चला है कि विमान के क्रैश होने से कुछ सेकंड पहले ही आपातकालीन पावर टरबाइन भी चालू की गई थी, जिससे पता चलता है कि तकनीकी खराबी के चलते विमान क्रैश हुआ। हादसे की आधिकारिक जांच चल रही है, जिसका नेतृत्व विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो या एएआईबी द्वारा की जा रही है। फ्लाइट सिमुलेटर जांच आधिकारिक जांच से अलग हुई। इस जांच में हादसे के संभावित कारण जानने की कोशिश की गई। 12 जून को अहमदाबाद में एआई-171 विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। विमान में जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के दो इंजन लगे थे। वीडियो में देखा गया कि विमान को उड़ान भरने के बाद ऊंचाई हासिल करने में मुश्किल हो रही थी। फिर वह वापस जमीन पर आ गया और उसमें धमाका हो गया।

टीएमसी नेताओं का दिमाग ठीक से नहीं करता काम : दिलीप घोष

खड़गपुर। टीएमसी विधायक मदन मित्रा द्वारा कोलकाता के लॉ कॉलेज गैंगरेप मामले में टिप्पणी को लेकर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। इस मुद्दे को लेकर भाजपा नेता दिलीप घोष ने टीएमसी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसे नेता सिर्फ टीएमसी में ही पाए जाते हैं। भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा, 'वे हमेशा तभी जागते हैं जब चीजें गलत हो जाती हैं। हर कोई जानता है कि कभी वे ठीक होते हैं, कभी नहीं, और शाम के बाद उनका दिमाग ठीक से काम नहीं करता। इसलिए ऐसे नेता आजकल केवल टीएमसी में ही पाए जाते हैं। बस उनके बयानों और कार्यों को देखें।' उन्होंने आगे कहा, 'अनुब्रत मंडल जैसे नेता को ही देख लें।

सदियों पुरानी तिब्बती बौद्ध संस्था उनकी मृत्यु के बाद भी जीवित रहेगी: दलाई लामा

धर्मशाला, एजेंसी। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने बुधवार को घोषणा की कि उनकी मृत्यु के बाद भी दलाई लामा की संस्था चलती रहेगी। उन्होंने कहा कि गदेन फोडरंग ट्रस्ट को ही उनके पुनर्जन्म को मान्यता देने का एकमात्र अधिकार होगा। गदेन फोडरंग ट्रस्ट की स्थापना तिब्बती संस्कृति को संरक्षित करने और तिब्बती लोगों के साथ-साथ अन्य जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए की गई थी, चाहे उनकी राष्ट्रीयता, धर्म या पृष्ठभूमि कुछ भी हो। धर्मशाला के पास मैकलियोडगंज में तीन दिवसीय बौद्ध धार्मिक सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान दलाई लामा ने यह महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा, '24 सितंबर 2011 को तिब्बती आध्यात्मिक परंपराओं के प्रमुखों की बैठक में मैंने तिब्बत के अंदर और बाहर रहने वाले तिब्बतियों, तिब्बती बौद्ध धर्म के अनुयायियों और तिब्बत से जुड़े लोगों के सामने यह स्पष्ट किया था कि दलाई लामा की संस्था को जारी रखने का फैसला लिया गया है।' तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने कहा कि उनकी मृत्यु के बाद भी दलाई लामा की संस्था जारी रहेगी। उन्होंने

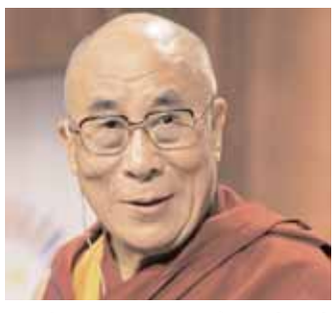

यह भी स्पष्ट किया कि उनके पुनर्जन्म को मान्यता देने का अधिकार केवल गदेन फोडरंग ट्रस्ट को होगा।

6 जुलाई को 90 वर्ष के होने जा रहे नोबेल शांति पुरस्कार विजेता दलाई लामा ने धर्मशाला के मैकलियोडगंज में एक बौद्ध सम्मेलन के दौरान यह बयान दिया। उन्होंने बताया कि 1969 में उन्होंने कहा था कि दलाई लामा के पुनर्जन्म को जारी रखने का फैसला तिब्बती लोगों और संबंधित समुदायों को करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि 90 वर्ष की आयु के आसपास वे तिब्बती बौद्ध परंपराओं के प्रमुख लामाओं, तिब्बती जनता और बौद्ध धर्म के अनुयायियों से इस पर चर्चा करेंगे। हालांकि, पिछले 14 वर्षों में तिब्बती आध्यात्मिक नेताओं, निर्वासित तिब्बती संसद, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन, गैर-सरकारी संगठनों, हिमालयी क्षेत्र, मंगोलिया, रूस के बौद्ध गणराज्यों और चीन के बौद्धों ने उन्हें पत्र लिखकर दलाई लामा की संस्था को जारी रखने की मांग की। खासकर तिब्बत में रहने वाले लोगों ने भी विभिन्न माध्यमों से यही अपील की। इन सभी अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए दलाई लामा ने पुष्टि की कि उनकी संस्था भविष्य में भी चलेगी। उन्होंने यह भी दोहराया कि सितंबर 2011 में दिए गए बयान के अनुसार, भविष्य के दलाई लामा को मान्यता देने की जिम्मेदारी केवल उनके कार्यालय और गदेन फोडरंग ट्रस्ट की होगी। यह ट्रस्ट तिब्बती संस्कृति को संरक्षित करने और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए बनाया गया है। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने अपनी संस्था और पुनर्जन्म की प्रक्रिया पर स्पष्ट बयान दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में उनके पुनर्जन्म को मान्यता देने का एकमात्र अधिकार गदेन फोडरंग ट्रस्ट को होगा।

मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा को लेकर चुनाव आयोग की दो टूक

सिर्फ राजनीतिक दलों के प्रमुखों से होगी बात

मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा को लेकर विपक्ष ने उठाए है सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार की मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा को लेकर मुलाकात के लिए समय मांगने के अनुरोध को लेकर चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। आयोग ने साफ कर दिया है कि आयोग समीक्षा पर बैठक के अनुरोधों पर केवल राजनीतिक दलों के प्रमुखों से ही बात-चीत करेगा। अधिकारियों के अनुसार, राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले कई व्यक्ति बिहार की मतदाता सूची के वर्तमान में चल रही विशेष गहन समीक्षा पर चर्चा करने के लिए आयोग से मुलाकात का समय मांग रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि अब से चुनाव प्राधिकरण अनधिकृत व्यक्तियों की ओर से किए गए ऐसे अनुरोधों को खारिज कर देगा।

दरअसल, विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि समीक्षा की इस प्रक्रिया से ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जहां पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। विपक्ष का कहना है कि इसके चलते भाजपा सरकार अपने लाभ के लिए राज्य मशीनरी का उपयोग कर सकती है।

बता दें कि चुनाव आयोग की तरफ से घोषणा के बाद बीते 30 जून को कांग्रेस के एक कानूनी प्रतिनिधि ने चुनाव आयोग को एक ई-मेल भेजकर 2 जुलाई को तत्काल बैठक की मांग की थी। यह ई-मेल कांग्रेस की ओर से, विपक्षी गठबंधन के कई दलों की ओर से भेजा गया था। कांग्रेस प्रतिनिधि ने खुद को कई दलों की ओर से अधिकृत प्रतिनिधि बताया था। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि केवल दो दलों, सीपीआई (एमएल) लिबरेशन और सीपीआई (एम) ने अब तक बैठक में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। गौरतलब है कि बिहार में चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची के विशेष संशोधन अभियान की प्रक्रिया चल रही है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को इस प्रक्रिया को लेकर आपत्तियां और शंकाएं हैं, जिसे लेकर वे चुनाव आयोग से मिलकर अपनी चिंता जताना चाहते थे। इस बीच आयोग के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बिहार में मतदाता सूचियों के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के विषय में बातचीत के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और पार्टी द्वारा दी गई दोनों अधिकारिक मेलों पर को 30 जून को निमंत्रण भेजा गया था। इन मेल में उन्हें बुधवार शाम पांच बजे का समय दिया गया था। इस बीच आयोग ने कुछ राजनीतिक दलों की ओर से आयोग को 30 जून और दो जुलाई को मेल भेजने वाले उमर होदा को एक मेल करके कहा है, भविष्य में, राजनीतिक दलों और आयोग के बीच किसी भी अनधिकृत संचार को रोकने के लिए, आपको उस राजनीतिक दल के प्रमुख से वैध प्राधिकरण प्रस्तुत करने की सलाह दी जाती है जिसका आप प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। आयोग के सचिव ने होदा को लिखा है, मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि आपके 30 जून 2025 के ईमेल के अनुसार, उल्लिखित राजनीतिक दलों से प्राधिकरण का कोई सबूत न होने के बावजूद, आयोग ने संबंधित राजनीतिक दलों को 2 जुलाई 2025 को शाम 05:00 बजे का समय दिया था और पार्टियों के प्रमुखों से एक अधिकृत व्यक्ति के साथ उक्त बैठक में उनकी उपस्थिति की पुष्टि मांगी थी।

एम्स ने मप्र में पहली बार कृतिम जबड़ा लगाया

संक्रमण से हुआ खराब

भोपाल, देशबन्धु। मुंह में छाले या जलन जैसे लक्षणों को हल्के में लेना आपका जबड़ा खराब कर सकता है। ऐसा ही एक मामला एम्स भोपाल से सामने आया है। महिला के मुंह में संक्रमण की शुरुआत डेढ़ साल पहले इन्हीं लक्षणों से हुई थी। धीरे-धीरे यह दर्द और जबड़े के टेढ़े पन में तबदील हो गई। महिला बीते एक साल से अहमदाबाद से लेकर दिल्ली तक में इलाज के लिए भटकती रहीं। फिर एम्स भोपाल पहुंची। जहां उनमें मध्यप्रदेश की पहला कृतिम जबड़ा प्रत्यारोपण किया गया।

एम्स भोपाल के मैक्सोफेशियल सर्जन डॉ. बीएल सोनी ने बताया कि मंदसौर की रहने वाली 62 वर्षीय महिला सबसे पहले इलाज के लिए अहमदाबाद के निजी अस्पताल गई थी। वहां, पहले आपरेशन में जबड़े को उसकी पुरानी स्थिति में लाने के लए सामान्य टाइटेनियम प्लेट लगाई गई। लेकिन वह दो माह बाद टूट गई, ऐसे में महिला फिर उसी अस्पताल में पहुंची। तो चिकित्सको ने फिर एक नई प्लेट लगाई, लेकिन वो भी तीन महीने बाद टूट गई। इसके बाद महिला एम्स दिल्ली गई, जहां लंबी प्रतिक्षा सूचि थी। इसी दौरान उसे एम्स भोपाल में भी आपरेशन होने की जानकारी मिली। ऐसे में वह आपरेशन के लिए यहां आईं। यहां जाँच के बाद उसके आपरेशन के दो विकल्प थे। एक में महिला के शरीर की हड्डी का उपयोग कर नया जबड़ा बनाया जा सकता था। लेकिन, महिला मधुमेह समेत कई बीमारियों से ग्रसित थी। ऐसे में कृतिम जबड़ा बनाया गया, यह एक ठोस टाइटेनियम से तैयार किया गया है, जो पारंपरिक 3 डी प्रिंटेड प्लेट्स की तुलना में कहीं अधिक मजबूत होता है। इसे खराब हो चुके जबड़े के स्थान पर लगाया गया। इस दौरान पूरा जबड़ा खोलना पड़ा। आपरेशन के बाद महिला मरीज की हालत में बेहतर सुधार देखा गया है। अब वे बिना किसी परेशानी के बोल पा रही हैं और भोजन भी कर पा रही हैं।

एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने कहा कि एम्स भोपाल न केवल तकनीक-सक्षम और न्यूनतम नवाचार आपरेशन में अग्रणी है, बल्कि मरीज-केंद्रित देखभाल के लिए भी प्रतिबद्ध है।

पुल पर रात में कार पलटी, सुबह वैन टकराई

भोपाल, देशबन्धु। प्रभात चौराहे से एमपी नगर की ओर जाने वाले पुल पर मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात तेज रफ्तार एसयूवी कार बेकाबू होकर पलट गई। वहीँ इसी जगह बुधवार करीब सुबह एक स्कूली वैन मार्ग विभाजक से टकरा गई। वैन में स्कूली बच्चे सवार थे। गनीमत यह रही कि दोनों ही मामलों में कोई जान हानि नहीं हुई, लेकिन थाना प्रभारियों ने दोनों घटनाओं की जानकारी होने से इनकार किया है।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक क्रेटा कार ब्रिज पर तेज रफ्तार में दौड़ती दिखाई दे रही है। पीछे चल रहे राहगीर इसका वीडियो बना रहे थे। तभी कार कुछ दूरी पर जाने के बाद मार्ग विभाजक से टकराकर पलट गई। इस हादसे में कार का एक पहिया टूटकर सड़क पर गिर गया। राहगीरों ने कार में फंसे तीन लोगों को बाहर निकाला। तीनों होश में थे, जिसके बाद उन्हें जेपी अस्पताल पहुंचाया गया। हालाँकि इनमे से किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है। कार में टैक्सी नंबर प्लेट लगी थी।

वहीँ ठीक इसी स्थान पर बुधवार सुबह एक स्कूल वैन मार्ग विभाजक से टकरा गई। बताया गया है कि तेज बारिश के चलते वैन के कांच में ओस जम गई थी, जिससे चालक को सड़क नहीं दिख पाई। हालांकि रफ्तार ज्यादा न होने के कारण वैन मार्ग विभाजक से टकराने के बाद रुक गई थी। बाद में स्कूली बच्चों को वैन से निकाला गया और दूसरे वाहन से स्कूल तक पहुंचाया गया। दोनों घटनाओं के संबंध में एमपी नगर थाना प्रभरी जयहिंद शर्मा ने बताया कि उन्हें हादसे की जानकारी नहीं है। इधर, ऐशबाग थाना प्रभरी वीबीएस सेंगर ने बताया कि पुल के जिस हिस्से में घटना हुई वह एमपी नगर थाना क्षेत्र में आता है।

सड़क हादसे में पोकलेन मशीन चालक की मौत

भोपाल, देशबन्धु। सूखी सेवनिया में बीती रात अज्ञात कार ने मोटरसाइकिल सवार पोकलेन मशीन चालक को रौंद दिया। इस हादसे में गंभीर रूप से जख्मी युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान बधवार सुबह मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक 41 वर्षीय सुरेश डाबर रतनपुर में एक पोकलेन मशीन संचालित करने का काम करता था। वह मूल रूप से रायसेन जिले का रहने वाला था। मंगलवार रात वह अपनी मोटरसाइकिल से जा रहा था, तभी इमलिया के पास उसे किसी अज्ञात कार ने रौंद दिया। जख्मी हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सुचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुँचाया और दोपहर में पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया। साथ ही मार्ग दर्ज कर आरोपी कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। बताया गया हैं कि मृतक के दो बेटे और दो बेटी हैं।

भोपाल में पहली बार एलएसडी ड्रग तस्करी का खुलासा, छात्र गिरफ्तार

टेलीग्राम पर करता था ऑनलाइन सौदा डाक से मंगवाता था नशे की खेप

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल में पहली बार एलएसडी ड्रग की तस्करी का मामला सामने आया है। क्राइम ब्रांच और नारकोटिक्स विंग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 19 वर्षीय छात्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 1.96 ग्राम एलएसडी ड्रग बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 50 हजार रुपए बताई जा रही है।

एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भोपाल में एक युवक केरल से डाक के माध्यम से एलएसडी ड्रग मंगा रहा है। सूचना के बाद युवक पर नजर रखी गई। बुधवार को चांदबड़ रोड स्थित सिकंदरी सराय पोस्ट ऑफिस में एक संदिग्ध पार्सल पहुंचा, जो करन शर्मा नामक युवक के नाम था। जैसे ही करन ने पार्सल रिसीव किया, टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि पार्सल में मादक पदार्थ है। जब पार्सल खोला गया, तो उसमें 1.96 ग्राम एलएसडी ड्रग मिली। आरोपी की उम्र 19 वर्ष है और वह एक निजी स्कूल से 12वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहा है।

यूट्यूब पर वीडियो देखकर सीखा

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह तरीका यूट्यूब पर वीडियो देखकर सीखा। वह एक वेबसाइट से एलएसडी ड्रग का ऑर्डर करता था और उसे पार्सल के जरिए मंगवाता था। इससे पहले भी वह दो बार इसी तरीके से ड्रग मंगा चुका है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

12 घंटे तक रहता है एलएसडी ड्रग का नशा

विशेषज्ञों के अनुसार एलएसडी एक हॉल्यूसिनोजेनिक ड्रग है, जो व्यक्ति के मानसिक संतुलन और सोचने की क्षमता को गहराई से प्रभावित करती है। इसका असर व्यक्ति की संवेदनाओं, भावनाओं और समय की धारणा तक को बदल सकता है। यह ड्रग पेपर टैब, लिक्विड ड्रॉप या कैप्सूल के रूप में लिया जाता है। इसका असर सेवन के 20 से 90 मिनट के भीतर शुरू हो जाता है और नशा 12 घंटे तक बना रह सकता है।

ट्रेन में भिक्षावृत्ति कर रहे 3 बच्चों को पकड़कर बाल निकेतन भेजा

भोपाल, देशबन्धु। आरपीएफ जवानों ने ट्रेन में भिक्षावृत्ति करते हुए तीन बच्चों का पकड़ा। बच्चे भोपाल से नर्मदापुरम के बीच दौड़ने वाली ट्रेन में भिक्षावृत्ति कर रहे थे। भोपाल लाने के बाद उन्हें बाल निकेतन भेजा गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया, एसआई अवधेश कुमार एवं आरक्षक कृष्ण कुमार बुधवार को गाड़ी संख्या 22538 में नर्मदापुरम से भोपाल तक चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान शयनयान कोच में एक बालक और दो बालिकाओं को यात्रियों से भीख मांगते हुए पाया। पूछताछ में बच्चों ने अपने नाम व पते बताए, जो इटारसी नर्मदापुरम के रहने वाले हैं। बच्चों ने बताया कि उनके माता-पिता काम पर चले जाते हैं और वे अपना खर्च चलाने के लिए ट्रेनों में भीख मांगते हैं। इसके बाद आरपीएफ जवान तीनों बच्चों को आरपीएफ पोस्ट भोपाल लाए और फिर बाल कल्याण समिति सदस्य धनीराम पंवार के निर्देशानुसार तीनों बच्चों को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद बाल निकेतन भवन हमीदिया रोड भोपाल में भेजा गया।

वामपंथी धर्मनिरपेक्ष दलों का 9 जुलाई की हड़ताल को समर्थन

भोपाल, देशबन्धु। वामपंथी धर्मनिरपेक्ष दलों ने एक साझा बयान जारी कर 9 जुलाई को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन किया है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव जसविंदर सिंह, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव अरविंद श्रीवास्तव, भाकपा माले के देवेन्द्र सिंह चौहान, समानता दल के प्रदेशाध्यक्ष इंजीनियर महेश कुशवाहा, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अजय श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर कहा है मोदी सरकार कॉरपोरट घरानों की लूट को सुनिश्चित करने के लिए न केवल प्राकृतिक संपदा और सार्वजनिक क्षेत्र इनके हवाले कर रहे हैं, बल्कि श्रम कानूनों और आठ घंटे के काम की सीमा को खत्म कर फिर से गुलामी जैसी परिस्थितियां पैदा कर रही है। इन दलों ने अपनी जिला इकाइयों से पूरी ताकत से हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया है।

एसबीआई के स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक रंगों से सजा समारोह

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय स्टेट बैंक, (एसबीआई) ने अपने 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रशासनिक अकादमी में एक भव्य सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं उप प्रबंध निदेशक चंद्र शेखर शर्मा ने किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक कुंदन ज्योति एवं महाप्रबंधक ओंकारनाथ चौधरी सहित वरिष्ठ अधिकारी, एवं सेवानिवृत्त अधिकारी भी उपस्थित थे। शुभारंभ पश्चात श्री शर्मा ने बैंक की 219 वर्षों की अद्भुत यात्रा को रेखांकित किया। तत्पश्चात बैंक की विरासत पर आधारित एक वीडियो प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को गर्व और गौरव से

भर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की एक पंक्तिबद्ध झलकन लेडीज़ क्लब द्वारा नृत्य, सुश्री पल्लवीका एकल गायन, सचिन लुगुन की कविता, अंशुल माथुर का गीत, एवं सुश्री रेणुका एवं टीम का समूह नृत्य ङ्क सभी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में डॉ. संजय कुमार शर्मा (राष्ट्रपति द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार प्राप्त समाजसेवी) का सम्मान किया गया। साथ ही बैंक स्टाफ सुश्री जिनिता साहू (सहायक) को साइबर धोखाधड़ी से ग्राहकों को बचाने के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सबसे मधुर और प्रतीक्षित पड़ाव रहा - प्रख्यात पार्श्व गायिकासंजीवनी भेलांडे का सुरमयी लाइव गायन, जिसने पूरे वातावरण को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का समापन उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी मनीष मठपाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

कार्यालय नगर निगम, भोपाल
यांत्रिक विभाग

क्रं.89/यां.वि./2024-25 भोपाल दिनांक 01.07.2025

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आंमत्रित की जाती हैं।

क्रं.	ऑनलाईन निविदा क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस. ओ.आर	कार्य की अवधि
1	2025_UAD_434259_1	Const. of drain from Ashok house to jaan mohammad khan house at sanjay nagar ward 11 Zone 03	2,78,643/-	2,786/-	2,000/-	MPUADD BUILD/Road ISSR 2021	60 दिवस

1- Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in
2- The Bid Documents can be purchased only online from 10:30 AM 02/07/2025 to 17:30 P.M 16/07/2025
3- Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in Only, and not in news-paper.
The initial period of 5 Years for B.T/C.C road and 3 Years for Drain/Bulding after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP)

सहायक यंत्री
नि. क्रं. 1887/025/026 जोन क्रं.08 नगर निगम, भोपाल

कार्यालय नगर परिषद शाहगंज जिला सीहोर (म.प्र.)
email-cmoshahganj@mp.urban.gov.in

क्रमांक /876 शाहगंज, दिनांक : -02.07.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि निकाय तालिका में वर्णित कार्य प्रतिशत दर आधार पर कराना चाहती है। इस हेतु इच्छुक ठेकेदारों से निविदाएँ आमंत्रित करती है। इच्छुक ठेकेदार अपनी निविदा बंद लिफाफे में दिनांक **17.07.2025** को दोपहर 3.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। जो उसी दिनांक को दोपहर 3.30 बजे उपस्थितों के समक्ष खोले जावेगें।

क्रं.	कार्य का विवरण	प्राक्कलन राशि	धरोहर राशि	समयावधि	प्रचलित एस.ओ.आर.
1	वार्ड क्रमांक 03 चबूतरा टीन शेड निर्माण कार्य।	4,36,780/-	4,367/-	60 दिवस	म.प्र.न.प्र. एवं विकास दिनांक 02.08.2021 से प्रभावशील

शर्तें:-
1. यह सूचना निविदा का संक्षिप्त विवरण मात्र है। विस्तृत जानकारी कार्यालय समय में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
2. निविदा मान्य/अमान्य करने का अंतिम निर्णय अधोहस्ताक्षरकर्ता का होगा।
3. निविदा के पूर्व कार्य स्थल का निरीक्षण अवश्य कर लें।
4. कोरे निविदा प्रपत्र दिनांक **17.07.2025** तक निर्धारित शुल्क 2000/- रूपये जमा कर प्राप्त किये जा सकते है।

अध्यक्ष, नगर परिषद शाहगंज
मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद शाहगंज जिला सीहोर (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद, इटारसी
क्रमांक / लोक कर्म शाखा/नपाई/738 इटारसी, दिनांक 01/07/25

ई निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाइट पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर पोर्टल क्रं.	कार्य का नाम	कार्य की लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_434210_1	नगर पालिका इटारसी के पुरानी इटारसी में बंजरंग व्यायाम शाला में चबूतरा एवं टीन शेड निर्माण कार्य। (विधायक निधि)	1,67,929/-	1000/- 1679/-	16.07.2025
2	2025_UAD_434222_1	वार्ड क्रमांक 33 में श्री विनोद पेंटर के मकान से श्री शशिकांत भाऊ के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (विधायक निधि)	2,86,039/-	2000/- 2860/-	16.07.2025
3	2025_UAD_434298_1	वार्ड क्रमांक 01 में गुलबी चच्चा के मकान से मारथोमा ग्राम ज्योति स्कूल तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	8,10,997/-	2000/- 8110/-	16.07.2025
4	2025 UAD_434313_1	वार्ड क्रमांक 02 में शक्ति नगर में हनुमान धाम मंदिर के पास ट्यूबवैल / बोरवेल निर्माण कार्य। (सांसद निधि) (तृतीय निविदा)	233461/-	2000/- 2335/-	08.07.2025

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की बेवसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद इटारसी

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि मैं, संजय चौहान आत्मज श्री माधव चौहान निवासी-नजीराबाद तहसील बैरसिया जिला भोपाल म.प्र. का निवासी हूं । मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम त्रुटिवश संजू चौहान (SANJU CHOHAN) हो गया है जबकि मेरा सही नाम संजय चौहान (SANJAY CHOUHAN) है । मेरे अन्य समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम संजय चौहान (SANJAY CHOUHAN) अंकित है और मुझे संजय चौहान (SANJAY CHOUHAN) नाम से जाना व पहचाना जाता है मेरे समस्त शासकीय/अशासकीय अभिलेखों में मेरा नाम संजय चौहान **(SANJAY CHOUHAN)** मान्य किया जाए ।

पुराना नाम	नया नाम
संजू चौहान (SANJU CHOHAN)	संजय चौहान (SANJAY CHOUHAN)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि मैं, ब्रजमोहन आत्मज श्री रामप्रसाद निवासी-ग्राम सलैया, पोस्ट सडूमर, सदूमर जिला नरसिंहपुर म.प्र. का निवासी हूं । मेरे पुत्र के आधार कार्ड में उसका नाम त्रुटिवश अमित कुमार गौंड (AMIT KUMAR GOUND) दर्ज हो गया है जबकि मेरे पुत्र का सही नाम अशिन गौंड है । मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र तथा जाति प्रमाण-पत्र में उसका नाम अशिन गौंड अंकित है । मेरे पुत्र को अशिन गौंड नाम से जाना व पहचाना जाता है उसे **अशिन गौंड** नाम से समस्त शासकीय/अशासकीय अभिलेखों में मान्य किया जाए ।

प्रार्थी
ब्रजमोहन आत्मज श्री रामप्रसाद
निवासी-ग्राम सलैया, पोस्ट सडूमर, सदूमर जिला नरसिंहपुर म.प्र.

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि मैं, सुभाष चन्द्र आत्मज श्री नाथूलाल निवासी घतुरिया पोस्ट पाडलिया तहसील टोंकखुर्द जिला-देवास म.प्र. का निवासी हूं । मेरी पुत्री के आधार कार्ड में उसका नाम त्रुटिवश दीपिका खेलवाल (DIPIKA KHELWAL) दर्ज हो गया है जब कि मेरी पुत्री का सही नाम दिपिका खेलवाल (DEEPIKA KHELWAL) है । मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र तथा अंक-सूची में उसका नाम दिपिका खेलवाल (DEEPIKA KHELWAL) अंकित है । मेरी पुत्री को दिपिका खेलवाल (DEEPIKA KHELWAL) नाम से जाना व पहचाना जाता है उसे दिपिका खेलवाल **(DEEPIKA KHELWAL)** नाम से समस्त शासकीय/अशासकीय अभिलेखों में मान्य किया जाए ।

प्रार्थी
सुभाष चन्द्र आत्मज श्री नाथूलाल
निवासी घतुरिया पोस्ट पाडलिया तहसील टोंकखुर्द जिला-देवास म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार नजूल वृत्त एम.पी.नगर भोपाल म.प्र.
(7 नंबर बस स्टाप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पास, शिवाजी नगर भोपाल)

ग्राम- बरखेड़ा पठानी प्रकरण क्रमांक-567/अ-6/2025-26

इश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अजय सिंह पुत्र स्व. श्री भरत सिंह निवासी भोपाल द्वारा ग्राम-बरखेड़ा पठानी, खसरा नं. 407-408/2/2/1, से 407-408/2/2/3 से रकबा 135 वर्गफिट, प्लाट क्रमांक एच 51 एस्सार जी आधार शिला स्थित है जिसे श्री सै. लियाकत अली आ. सै. अफजल अली निवासी-साकेत नगर से क्रय की जाकर विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है । अतएव आवेदक के उपरोक्त आवेदन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वह इस इश्तहार के जारी होने के नियत पेशी दिनांक 07.07.2025 के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुंत कर सकता है । समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक 30/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीयन मुद्रां से जारी किया गया।

तहसीलदार
एम. पी. नगर वृत्त भोपाल

न्यायालय तहसीलदार, वृत्त-3, तहसील-हुजूर, जिला भोपाल, म.प्र.

प्रकरण क्रमांक-0598/अ-3/2024-2025
मौजा - सरवर बेरखेड़ी बाज्याफत

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदकगण 01. श्रीमती संतोष गगरानी पत्नी श्री अशोक गगरानी, 02. कैलाश महोश्वरी आत्मज स्वर्गीय श्री गोपी किशन माहेश्वरी, 03. श्रीमती लता लोया पत्नी स्वर्गीय श्री सुशील कुमार लोया, 04. श्री शांतनु लाहोटी पुत्र श्री सुरेश लाहोटी, 05. शैलेन्द्र कुमार गगरानी आत्मज स्वर्गीय श्री शिवनारायण जी गगरानी, 06. श्रीमती स्मिता महोश्वरी पत्नी श्री संजीव माहेश्वरी सभी निवासी भोपाल म.प्र. के द्वारा भू राजस्व सहिता 1959 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम सरवर प.ह.नं. 71 भूमि खसरा क्रमांक 566/2, 569/2 रकबा क्रमश: 0.050, 0.0120 हे. भूमि का राजस्व नक्शे बटान अंकित करने का अनुरोध किया है

2.उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकता है। समयावधि पश्चात् प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्रकरण में आगामी कार्यवाही हेतु पेशी दिनांक 15.07.2025 नियत की जाती है।

तहसीलदार
तहसील हुजूर भोपाल

कार्यालय कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास रामपुर, वि.खं. बमौरी जिला गुना

क्रं./निविदा/57/2025/02 दिनांक : 02.07.2025

निविदा आमंत्रण

कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास रामपुर टैंक बमौरी जिला गुना 30.04.2026 तक निम्नलिखित सामग्री क्रय हेतु निविदायें आमंत्रित करता है। राशन किराना, आटा, दूध, फल, सब्जी, बालिकाओं की शैक्षणिक सामग्री, व्यक्तिगत उपयोगी सामग्री, मासिक किट वार्षिक किट आदि की आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो/व्यापारियों से सील बंद निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। अतः इच्छुक फर्म/व्यापारियों धरोहर राशि 5000 रू. के बैंक ड्राफ्ट जो (अध्यक्ष, वार्ड के.जी.बी.व्ही. रामपुर टैंक) के नाम से देय होगा। अपनी निविदायें सील बंद लिफाफे में डाक द्वारा या स्वयं कार्यालयीन समय में 10:30 बजे से 4:30 बजे तक दिनांक 10.07.2025 तक जमा करा सकते हैं। निविदायें दिनांक 11.07.2025 को शाम 4 बजे छात्रावास प्रबंधन समिति के समक्ष खोली जावेंगी।

नोट :- 1. अंतिम निर्णय छात्रावास प्रबंधन समिति के.जी. बी.व्ही. रामपुर टैंक का मान्य होगा।
2. निविदायें पंजीकृत फर्मो की ही मान्य होगी।
3. सामग्री की आपूर्ति 100 छात्राओं के मान से करनी होगी।

छात्रावास प्रबंधन समिति
के.जी.बी.व्ही., रामपुर टैंक,
बमौरी, जिला- गुना (म.प्र.)

मणिकर्णिका संवाद पत्रिका का विमोचन

भोपाल, देशबन्धु। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई (एमएलबी) कन्या स्वशासी महाविद्यालय में बुधवार को मणिकर्णिका संवाद पत्रिका के पहले अंक का विमोचन हुआ। यह पत्रिका कॉलेज की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक और अन्य गतिविधियों को एक साथ प्रस्तुत करने का प्रयास है। इस मौके पर कॉलेज में साहित्य और संस्कृति से जुड़ी एक विशेष कक्षा भी आयोजित की गई। पत्रिका में कॉलेज की वेबसाइट, उच्च शिक्षा विभाग और यूजीसी की लिंक, यूट्यूब चैनल और दो गूगल फॉर्म भी शामिल किए गए हैं। एक फॉर्म रचनाएं भेजने के लिए और दूसरा सुझाव के लिए है। विमोचन अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार अग्रवाल ने पत्रिका को कॉलेज की गतिविधियों का जीवंत दस्तावेज बताया।

बेदखलीनामा

मैं, मजीद खान आत्मज श्री करीम खान निवासी-मकान नं. 141ए, एहसान नगर, करोद भोपाल म.प्र. सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि मैं अपने बड़े पुत्र जावेद की करतूतों, उसके आर्थिक लेनदेन और अनैतिक कृत्यों से बहुत परेशान होकर मैंने उसे अपनी चल व अचल संपत्ति से सदैव के लिए बेदखल कर दिया है । मेरा अब उससे कोई वास्ता नहीं है ।

जावेद के द्वारा कोई भी व्यक्ति या संस्था किसी भी प्रकार का लेन देन करे तो वह स्वयं उत्तरदायी रहेगा । मेरा व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेदारी नहीं रहेगी ।

मजीद खान
आत्मज श्री करीम खान
पता- मकान नं. 141ए,
एहसान नगर, करोंद भोपाल म.प्र.

देशबन्धु

भोपाल, गुरुवार 3 जुलाई 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

लंबी विदेश यात्रा पर मोदी

एक महीने से भी कम समय में प्रधानमंत्री मोदी फिर से विदेश यात्रा पर निकल गए हैं। इस बार घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया इन पांच देशों की यात्रा श्री मोदी कर रहे हैं, जो 8 दिनों की होगी। हमेशा की तरह इस बार भी सरकारी बयान में बताया गया है कि विदेश यात्रा का मकसद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत करना है। भारतीय प्रधानमंत्री इन देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों से मुलाकात करेंगे और आपसी सहयोग और विकास पर चर्चा करेंगे। इसमें कुछ नया नहीं है, हमेशा यही तो होता है कि दूसरे राष्ट्राध्यक्षों से श्री मोदी को हाथ मिलाते, गले मिलते, सौहार्द्रपूर्ण माहौल में हंसते-मुस्कुराते चर्चा करते और विभिन्न करारों पर हस्ताक्षर करते तस्वीरें आती हैं। देश को बताया जाता है कि दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। भारत को विकसित करने के लिए सारे देश मदद कर रहे हैं। लेकिन इन तस्वीरों की हकीकत तब समझ आती है, जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी बड़े से भारतीय प्रतिनिधिमंडल को अलग-अलग देशों में अपना पक्ष रखने के लिए भेजना पड़ता है।

विदेश नीति की परीक्षा पहलगाम हमले या ऑपरेशन सिंदूर जैसी असामान्य स्थितियों में ही होती है, और इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार करना ही चाहिए कि इस परीक्षा में मोदी सरकार बुरी तरह विफल रही।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्धविराम को लेकर हो रहे बेहूदे दावे थम ही नहीं रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी ने खुद इन दावों को खारिज नहीं किया है तो अब तक भारत सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी सफाई देनी पड़ रही है। अभी विदेश मंत्री एस जयशंकर से अमेरिकी पत्रिका न्यूजवीक के लिए हो रहे एक साक्षात्कार में फिर यह सवाल पूछा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कई बार कहा है कि 'संघर्ष को रोकने के लिए व्यापार को एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया गया। क्या इससे व्यापार समझौते की बातचीत पर कोई असर पड़ा है?' इस सवाल से साफ समझ आता है कि ट्रंप के दावे को अब दुनिया भी मान रही है। अगर श्री मोदी ने पहले ही बार में इस पर आपत्ति जताई होती तो शायद इस तरह के सवाल नहीं उठते। लेकिन अब सवाल उठ रहे हैं और विदेश मंत्री सफाई दे रहे हैं कि 9 मई की रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया था तो वह भी उसी कमरे में मौजूद थे। जयशंकर ने कहा कि तब प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि भारत पाकिस्तान की धमकियों से डरेगा नहीं बल्कि इसका जवाब देगा।

सोचने वाली बात यह है कि जो बयान भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री पहले दे चुके हैं, जिसे अभी विदेश मंत्री एस.जयशंकर भी कह रहे हैं, उस बात को अब तक प्रधानमंत्री मोदी अपने मुंह से क्यों नहीं बोलते। आखिर किसने उनके मुंह पर चुप की उंगली रखी है। क्या लंबी-लंबी विदेश यात्राओं से ये उंगली हटेगी या मुंह पर ताले और बढ़ेंगे। अभी कनाडा में जी-7 की बैठक में श्री मोदी शामिल हुए थे, और पखवाड़े बाद ही अब ब्रिक्स सम्मेलन के लिए वे रवाना हुए हैं। ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंचों का इस्तेमाल सभी देश अपनी स्थिति बेहतर बनाने के लिए करते हैं, हालांकि इनमें असली जोर व्यापार का होता है, क्योंकि इस समय पूरी वैश्विक राजनीति कारोबारी हितों के इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे में श्री मोदी की मौजूदा यात्रा में भी व्यापार को बढ़ाने के संकेत अलग-अलग तरीकों से दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी सबसे पहले घाना जाएंगे और यात्रा के अंतिम चरण में स्वदेश वापसी के समय नामीबिया जाएंगे। ये सारे देश अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी हैं और कहा जा रहा है कि इससे ग्लोबल साउथ के भारतीय एजेंडे को नई धार मिल सके। बता दें कि ग्लोबल साउथ शब्द पहली बार 1969 में राजनीतिक कार्यकर्ता कार्ल ओग्लेसबी ने इस्तेमाल किया था। इसमें अमूमन वही सारे देश हैं, जिन्हें तीसरी दुनिया के देश कहा जाता है। दुनिया के उत्तरी हिस्से में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूरोप के देशों से अलग दक्षिण हिस्से में आने वाले अफ्रीकी, द.अमेरिकी और कई एशियाई देशों का ग्लोबल साउथ के तहत रखा जाता है। इनकी चिंताएं और सरोकार लगभग एक जैसे हैं। हालांकि इनमें चीन का दबदबा है और वहीं आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे देशों का रुख भी कई बार ग्लोबल नार्थ की तरफ ही दिखाई देता है। ऐसे में ग्लोबल साउथ के बैनर तले जो नयी वैश्विक व्यवस्था बनाने की कोशिश चल रही है, वह कितनी कारगर होगी, कहा नहीं जा सकता। वैसे अभी श्री मोदी जिन देशों में जा रहे हैं, या ग्लोबल साउथ में जो देश आते हैं, उनसे भारत के संबंध पहले ही अच्छे रहे हैं। इन सभी देशों में प.नेहरू की बनाई विदेश नीति के कारण ही भारत की साख मजबूत बनी हुई है। अगर इसी विदेश नीति पर मोदी सरकार चलती रहती तो फिर इतनी विदेश यात्राओं के बाद भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर समर्थन जुटाने के लिए भारत को जद्दोजहद नहीं करनी पड़ती।

वैसे ब्रिक्स सम्मेलन के अलावा श्री मोदी की मौजूदा यात्रा का बड़ा मकसद व्यापार को बढ़ाना ही दिख रहा है। घाना पश्चिमी अफ्रीका की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। घाना से भारत में होने वाले आयात में 70 प्रतिशत से ज्यादा सोना होता है। घाना के लिए भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश है। घाना से श्री मोदी त्रिनिदाद और टोबैगो जाएंगे, इस कैरेबियाई क्षेत्र में भारतीय मूल के 40-45प्रतिशत लोग रहते हैं। भारत और त्रिनिदाद और टोबैगो के बीच आर्थिक संबंध बहुत ही ज्यादा मजबूत हुए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 341.61 मिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। यहां से श्री मोदी अर्जेंटीना जाएंगे, और ट्रंप के चहेते राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार और निवेश पर इस दौरान खास जोर रहेगा। इसके बाद ब्राजील में ब्रिक्स सम्मेलन के बाद अपनी राजकीय यात्रा के लिए प्रधानमंत्री ब्रासीलिया जाएंगे। जहां राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य जैसे आपसी हित के क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को व्यापक बनाने पर चर्चा होगी। ब्राजील, दक्षिण अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। सबसे आखिरी में श्री मोदी नामीबिया जाएंगे, जहां वे संसद को भी संबोधित करेंगे। हाल के वर्षों में भारत और नामीबिया के बीच व्यापार बढ़ा है। 2000 में यह 3 मिलियन डॉलर से भी कम था जो अब लगभग 600 मिलियन डॉलर हो गया है। भारत में चीते नामीबिया से ही लाए गए थे।

योगी बंदर की लीला और जनजागरुकता

सोशल मीडिया पर रील्स, मीम्स बनाने का पागलपन, इस मंच को झूठी, नफरती खबरें फैलाने का जरिया बनाना, हर वर्ग के लोगों का अधिकाधिक वक्त सोशल मीडिया पर बीतना, इन सब बातों पर पिछले कुछ वक्त में काफी चिंता बढ़ी है। समाजशास्त्रियों के लिए यह अध्ययन का नया विषय ही बन गया है कि संचार क्रांति का यह कैसा दौर आया है, जिसमें एक के बाद एक नयी लहर उठती है। मियादी बुखार की तरह कभी भी कोई भी चीज वायरल हो जाती है। नैतिक-अनैतिक के बीच का हर अंतर सोशल मीडिया पर मिटाया जा चुका है। न किसी का लिहाज, न कोई पाबंदी, बस जिसे जो कहना है, लिखना है, दिखाना है, सुनाना है, वह अपने मन की करे। असल मायनों में मन की बात सोशल मीडिया पर चलती है। इसमें कभी कुछ ऐसा हो जाए, जिस पर बड़ा विवाद हो, तब कुछ पोस्ट्स को प्रतिबंधित किया जाता है, लेकिन तब तक उसका स्क्रीन शॉट सुरक्षित रख लिया जाता है या सामग्री ही किसी और तरीके से स्टोर कर ली जाती है। आसान शब्दों में, एक बार जो चीज सोशल मीडिया पर आ गई, उसे नष्ट करना मुश्किल होता है।

ऐसे सोशल मीडिया के दौर में 'बंदर लीला योगी' के वीडियो काफी वायरल हो रहे हैं। जैसा कि इसके नाम से ही जाहिर है, इसमें एक बंदर साधु या योगी की वेशभूषा में बैठा हुआ नजर आता है और उसकी लीला यह है कि यह योगी बंदर ज्वलंत सामाजिक-राजनीतिक विषयों पर धीर-गंभीर बातें करता है। देश में शिक्षा की बदहाली से लेकर टीआरपी के लिए मीडिया की उछलकूद सब पर इस योगी बंदर का ध्यान है और वह अपने भक्तों को इस पर प्रवचन देता है कि उसकी निगाह में यह सही है या गलत।

एक वीडियो में कथावाचक बना बंदर कहता है, 'जिस देश में सरकारी स्कूलों की छतें टपकती हों और मंदिर सोने से जड़े हों, वो देश कभी विकसित नहीं हो सकता। अगर मंदिरों का पैसा स्कूलों में लगाया जाए तो भारत विकसित हो सकता है, लेकिन ऐसा इसलिए नहीं होगा क्योंकि कुछ लोगों को डर है कि अगर बच्चे पढ़ गए, तो सवाल पूछेंगे। वहीं एक प्रवचन में योगी बंदर ने कहा कि 'अगर मंदिर में चढ़ाया गया पैसा भगवान का है, तो फिर वो जनता में क्यों नहीं बांटा जाता?'

पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के वक्त मीडिया के बड़े हिस्से ने जिस किस्म की रिपोर्टिंग की, उसकी धज्जियां भी योगी बंदर ने उड़ाई हैं। इसमें उसने कहा है कि अगर सर्कस देखना हो तो बाहर मत जाना, मोबाइल पर टीवी चैनल खोल देना। टीआरपी के लिए इतने मरे जा रहे कि हमारे सैनिक बार्डर पर खड़े हैं और ये कह रहे हैं इस्लामाबाद पर कब्जा। ये वही लोग हैं, जिन्होंने मुंबई हमलों के दौरान एनएसजी की लोकेशन ब्रॉडकास्ट कर दी और कहीं न कहीं उससे आतंकवादियों को मदद मिली। वो कहते हैं कि भारत अब विकसित होने ही वाला है। अरे लोगों के पास स्कूल-कॉलेज की फीस भरने के पैसे नहीं हैं, और तुम हवा में भारत को विकसित बना रहे हो।

एक अन्य वीडियो में योगी बंदर ने बताया है कि अगर श्री राम भारत के प्रधानमंत्री होते तो कैसा भारत होता। जिसमें आस्ट्रेलिया की तरह प्रदूषण मुक्त हवा होती। पुलिसवाले भाग-भागकर एफआईआर लिखते, भले सामने नेता का बेटा ही क्यों न हो। भारत का ट्रेड और एग्रीकल्चर फल फूल रहा होता। सबको समान न्याय मिलता, छुआछूत को मिटा दिया जाता, जाति को काम के आधार पर किया जाता, न कि जन्म के आधार पर। सरकारी अस्पतालों में साफ-सफाई होती। मंदिरों में भगवान का नाम लेकर साइंस और टेक्नॉलॉजी का ज्ञान साझा किया जाता। किसान खुदकुशी नहीं करते। वोटरों को बांटने के लिए नफरती भाषण नहीं दिए जाते। आरटीआई एक्टिविस्टों की हत्या नहीं होती। गंगा नदी एकदम साफ होती। आम आदमी के कोर्ट केस 20-20 साल नहीं चलते। मूवी का हीरो एक साथ सौ लोगों की हत्या करे तो उसे ग्लोरिफाई नहीं किया जाता और ऐसी फिल्मों की भारत में कोई जगह नहीं होती। अगर किसी कारण से जंगल काट भी दिए जाते तो ट्राइबल लोगों को गर्वमेंट आईडी दी जाती और उनकी शिक्षा का ख्याल रखा जाता।

एक और वीडियो में योगी बंदर ने कहा कि अगर आज हनुमान जी होते तो कहते कि मुझे तुम्हें अपना वंशज कहने में शर्म आती है। एक कंपनी का सीईओ भी बिल्ली के रास्ता काटने पर रुक जाता है। अरे तुम सीईओ हो कि चूहे हो। हमने तो रावण को घर में घुसकर मारा था, तुम एक बिल्ली से डर गए। तुम विश्वगुरु कैसे बनोगे, तुम डेढ़ सौ करोड़ हो, लेकिन डरे हुए हो। वो बताते कि हमने राम सेतु मंत्र फूंककर नहीं बनाया था, नल और नील नाम के दो इंजीनियरों से बनवाया था। वो तुम्हें जागृत करते कि जहां समाज डरा हुआ हो, वहां साइंटिस्ट कम और गुलाम ज्यादा पैदा होते।

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

भारत का अपना एआई क्यों नहीं बन पाया, इस बारे में भी योगी बंदर ने बताया है कि हमारे पास डेटा ही नहीं है, सारा डेटा यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक के पास है। अमेरिका ने चैटजीपीटी, चीन ने डीप सीक बना लिया। हमारे इंजीनियरों ने जब कू ऐप बनाया था तो उसके जरिए डेटा इकट्ठा हो सकता था, लेकिन उन्हें सपोर्ट नहीं मिला और चार साल में ही कू ऐप बंद हो गया।

> **भारत का अपना एआई क्यों नहीं बन पाया, इस बारे में भी योगी बंदर ने बताया है कि हमारे पास डेटा ही नहीं है, सारा डेटा यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक के पास है। अमेरिका ने चैटजीपीटी, चीन ने डीप सीक बना लिया। हमारे इंजीनियरों ने जब कू ऐप बनाया था तो उसके जरिए डेटा इकट्ठा हो सकता था, लेकिन उन्हें सपोर्ट नहीं मिला और चार साल में ही कू ऐप बंद हो गया।**

श्रीराम के शासन का भारत, हनुमानजी की सीख से लेकर मीडिया की नैतिकता, अंधविश्वास, विज्ञान और टेक्नॉलॉजी सभी विषयों पर यह एआई जनरेटेड योगी बंदर प्रवचन देता है। इसमें जो बातें कहीं गई हैं, उन्हें अक्सर लोग आपसी चर्चाओं में करते हैं, लेकिन अब माहौल ऐसा हो चुका है कि इन्हें खुलकर कहने की हिम्मत नहीं दिखाई जा रही। जो ऐसी हिम्मत दिखाते हैं, उन्हें किसी न किसी तरह की प्रताड़ना का शिकार होना पड़ता है।

इस एआई जनरेटेड बंदर को जिसने भी बनाया है, उसने ज्वलंत मुद्दों को रोचक तरीके से जनता तक पहुंचाने का काम किया है। धर्मभीरू भारतीय समाज को उसकी भलाई के लिए सलाह देने का यह तरीका कारगर है कि उसमें धर्म का आवरण डाल दिया जाए। यही बंदर अगर शिक्षक, वैज्ञानिक, अंतरिक्ष यात्री, किसान, मजदूर या नेता की तरह दिखाई देता, तब भी उसकी बातें रोचक और जागरुक करने वाली तो होतीं, लेकिन उनका वह असर नहीं दिखाई पड़ता, जो अब दिख रहा है। बंदर बैठकर प्रवचन दे रहा है, यह बात तो रोचक है ही, दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह बंदर रूढ़िवादिता को खारिज कर आधुनिक युग के हिसाब से चलने की सलाह भक्तों को दे रहा है। वर्ना इस समय समाज की बुद्धि ऐसे प्रवचनकारियों ने भ्रष्ट की हुई है, जो हथेली को मोबाइल बनाकर हनुमानजी से सीधे बात करने का ढोंग करते हैं और भक्तों को मूर्ख बनाते हैं। लोगों में इतनी चेतना भी दिखाई नहीं देती कि वे पूछ सकें कि अगर हनुमान जी से सीधे बात हो ही जाती है, तब हथेली को मोबाइल बनाने की भी क्या जरूरत, इस सीधे कनेक्शन के लिए तो किसी भी चीज की दरकार नहीं होनी चाहिए। लेकिन लोगों को मूर्ख बनाकर ही ऐसे ढोंगी खुद ऐशो आराम का सारा सामान जुटा लेते हैं। दुनिया की सैर करते हैं, महंगे कपड़े, जूते, चश्मे पहन कर रौब झाड़ते हैं कि सवाल मत पूछना वर्ना और महंगा पहन कर चिढ़ाऊंगा।

भारत विकसित हो रहा है, भारत विश्वगुरु बन रहा है, इस तरह का भ्रम फैलाने में ऐसे ही ढोंगी साधु, बाबा, योगी सरकार की मदद करते हैं। सत्ता पर बैठे लोग इन की आरती उतारते हैं, इनके आडंबर को बढ़ावा देते हैं। कोई अपने घर में कितना भी अंधविश्वास माने, पाखंड को बढ़ावा दे, भक्ति के नाम पर कट्टरता फैलाए, उसे रोका नहीं जा सकता, लेकिन जब जनता के पैसे पर समाज में इन चीजों को बढ़ाया जा रहा है और देश का नुकसान हो रहा है, तब तो आवाज उठानी ही चाहिए। जनता का काम करने के लिए बैठी सरकारों से सवाल होने चाहिए कि आपका वक्त लोककल्याणकारी कार्यों से ज्यादा पूजा पाठ में क्यों लग रहा है। जनता के पैसे ढोंगियों पर लुटाने के अपराध पर इन्हें सत्ता से बाहर किया जाना चाहिए। लेकिन इस समय डरा हुआ समाज यह नहीं कर रहा है। ऐसे में पुनर्जागरण के एक नए दौर की जरूरत महसूस हो रही है।

योगी बंदर की बातें काफी क्रांतिकारी हैं, और इसमें प्रयुक्त भाषा बिल्कुल आम बोलचाल की है, ताकि जनता इसे फौरन समझ ले। हालांकि इन बातों का सिलसिला, ऐसे वीडियो आगे कब तक जारी रहेंगे, कहा नहीं जा सकता। खुद इस एआई से बने योगी बंदर ने कहा है कि हो सकता है ये वीडियो प्रतिबंधित हो जाएं। अगर ऐसा नहीं भी होता है, तब भी अभी बातों में जो धार दिख रही है, वह बरकरार रहे और किसी भी तरह मुद्दे से न भटका जाए, संविधान के उद्देश्यों को केंद्र में रख कर जन जागरुकता फैलाई जाए, यह जरूरी है।

नये भाजपा अध्यक्ष के चयन में और देरी संभव

■ अरुण श्रीवास्तव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 2025 में दशहरा के दिन अपना शताब्दी वर्ष मनायेगा। अधिकांश संगठन तो अपनी शताब्दी के करीब पहुंचने से पहले ही पतन की ओर अग्रसर हो जाते हैं या यहां तक कि विघटित हो जाते हैं। परन्तु आरएसएस अपनी राजनीतिक शाखा भाजपा के माध्यम से भारत पर शासन कर रहा है।

लेकिन शताब्दी वर्ष के शुभ अवसर पर इसके सरसंघचालक मोहन भागवत ने विडंबनापूर्वक संगठन पर अपना अधिकार और नियंत्रण खो दिया है। जहां पिछले सरसंघचालकों के शब्दों को भगवा पारिस्थितिकी तंत्र ने आज्ञाओं की तरह माना, वहीं शताब्दी वर्ष में भागवत के उपदेशों को कोई नहीं मानता। यह अब कोई रहस्य नहीं है कि नरेंद्र मोदी ने जानबूझ कर और योजनाबद्ध तरीके से उनकी छवि और विश्वसनीयता को कम किया है। अपने शासन के ग्यारह वर्षों के दौरान, आरएसएस प्रचारक मोदी ने आरएसएस मुख्यालय में भागवत से केवल एक बार मुलाकात की। इसका मतलब साफ है कि उन्होंने भागवत के सुझावों और सलाह की परवाह नहीं की। आरएसएस और खासकर भागवत भाजपा के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में आरएसएस नेता के लिए जोर दे रहे हैं। लेकिन मोदी का उनके निर्देश की अनदेखी करना उनके तिरस्कार का स्पष्ट प्रमाण है।

वास्तव में पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने 2024 में ही लोकसभा चुनाव से काफी पहले यह कहकर इस अनादर को प्रकट कर दिया था कि 'भाजपा को आरएसएस की जरूरत नहीं है'। जब से नड्डा ने 2023 में अपना कार्यकाल पूरा किया है, तब से भागवत पार्टी प्रमुख के रूप में आरएसएस नेता के लिए जोर दे रहे हैं। लेकिन नड्डा की औपचारिक सेवानिवृत्ति के ढाई साल बाद भी, उनका भाजपा अध्यक्ष के रूप में कार्य करना जारी है। कारण साफ है। मोदी को एक ऐसे अनुचर की जरूरत है जो उनके आदेशों का पालन करे। उन्हें समानांतर सत्ता केंद्र पसंद नहीं है। भाजपा अध्यक्ष के रूप में आरएसएस नेता उनके वर्चस्व के लिए संभावित खतरा साबित हो सकते हैं। यही कारण है कि मोदी जानबूझ कर उनकी दलीलों को नजरंदाज कर रहे हैं।

गोवा में भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में जब मोदी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया गया था, तब भगवा कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच मोदी की राष्ट्रीय अपील और लोकप्रियता नहीं थी। लालकृष्ण आडवाणी के साथ भागवत ने उन्हें आगे बढ़ाया। निर्वाचित होने के बाद मोदी का पहला काम आडवाणी को अलग-थलग करना और उन्हें निष्क्रिय बनाना था। लेकिन उस समय भागवत को हटाने या अलग-थलग करने की हिम्मत वे नहीं कर पाये, क्योंकि वे आरएसएस प्रमुख थे। एक सुनियोजित चाल के तहत उन्होंने उन्हें नजरंदाज करना शुरू कर दिया, जिससे यह संदेश गया कि भागवत भाजपा के लिए किसी काम के नहीं हैं। मोदी ने भगवा पारिस्थितिकी तंत्र के अंदर सफलतापूर्वक ऐसी स्थिति बना दी, जहां भागवत की सलाह अवांछित थी। 2023 में ही आरएसएस के कई शीर्ष नेताओं ने भागवत को आगाह किया था और उनसे सख्ती बरतने को कहा था। लेकिन उन्होंने ऐसा करने की हिम्मत नहीं की। मोदी जहां खुद को भाजपा और भारत के लिए राजनीतिक रूप से अपरिहार्य साबित करने पर तुले हुए हैं, वहीं भागवत हिंदू और हिंदुत्व की राजनीति को बढ़ावा देने में आरएसएस की अजेयता को प्रदर्शित करने का प्रयास कर रहे हैं।

इसे समझने के लिए हाल ही में हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में हुए विधानसभा चुनावों के विश्लेषण से अधिक उपयुक्त तरीका और कुछ नहीं हो सकता। जहां मोदी और उनके सहयोगियों ने इन राज्यों में भाजपा की जीत को मोदी के करिश्मे से जोड़ा, वहीं आरएसएस ने दावा किया है कि इन चुनावी जीत का श्रेय आरएसएस के कार्यकर्ताओं को जाता है।

मोदी और भागवत के बीच ताजा सत्ता संघर्ष बिहार की मतदाता सूची संशोधन के मामले में सामने आया है। आरएसएस ने मोदी के कदम का सार्वजनिक रूप से विरोध नहीं किया है, लेकिन वह इसका समर्थन भी नहीं करता है। मोदी ने पहले ही बिहार में इस योजना को बड़े जोर-शोर से शुरू कर दिया है। आरएसएस नेताओं के अनुसार भी इस कदम का शिकार ईबीसी और दलितों की बड़ी आबादी होगी, जो आरएसएस के निशाने पर हैं। यह लगातार इन वर्गों को यह विश्वास दिलाता रहा है कि वे हिंदू हैं। गांवों में जाकर गणना करने वाले लोग उनके मूल निवासी होने के दावों के प्रमाण के रूप में मूल जन्म प्रमाण पत्र मांग रहे हैं।

यह एक खुला रहस्य है कि इनमें से एक बड़ी आबादी के पास अपनी पहचान साबित करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं है। जाहिर है कि उन्हें अपनी राष्ट्रीय पहचान खोने का खतरा है। एक बार जब उन्हें राष्ट्रीयता से वंचित कर दिया जाता है, तो उन्हें वोट देने का अधिकार भी स्वत: ही छीन लिया जायेगा। यह स्पष्ट है कि मोदी अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए ऐसा कर रहे हैं। हाल ही में हुए चुनावों में उनकी निष्ठा बदली हुई, इंडिया ब्लॉक के पक्ष में दिखी जिससे मोदी को यह कड़ा संदेश गया है कि दलित और ईबीसी उन्हें पसंद नहीं करते हैं।

मोदी का यह चुनावी कदम उन्हें मध्यम वर्ग पर अधिक ध्यान केंद्रित करने और उनके बीच अपने समर्थन आधार को मजबूत करने में मदद करेगा। लेकिन इससे आरएसएस के राजनीतिक हित खतरे में पड़ जायेंगे, जो उन्हें हिंदू के रूप में पहचानने की कोशिश कर रहा है। इसका भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की आरएसएस की योजना पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। सूत्रों का कहना है कि आरएसएस शताब्दी समारोह के दौरान अपनी योजना की घोषणा करने के लिए दृढ़ था। लेकिन अब ऐसा लगता है कि वह कुछ और समय के लिए अपने फैसले को रोक देगा।

> **4 जुलाई से दिल्ली में तीन दिवसीय भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। इन दो वर्षों के दौरान आरएसएस ने अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक की एक दर्जन से अधिक बैठकें की हैं। हर बैठक में अपनी पसंद का नया अध्यक्ष चुनने का मुद्दा गूंजा। यह बैठक अलग प्रकृति की होगी, जिसका स्वरूप अलग होगा। यह आरएसएस की बैठक है।**

इस पृष्ठभूमि में 4 जुलाई से दिल्ली में तीन दिवसीय भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। इन दो वर्षों के दौरान आरएसएस ने अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक की एक दर्जन से अधिक बैठकें की हैं। हर बैठक में अपनी पसंद का नया अध्यक्ष चुनने का मुद्दा गूंजा। यह बैठक अलग प्रकृति की होगी, जिसका स्वरूप अलग होगा। यह आरएसएस की बैठक है, लेकिन विश्वसनीय सूत्रों का मानना है कि भाजपा के कुछ शीर्ष नेता इस बैठक में भाग ले सकते हैं और अध्यक्ष चयन के मुद्दे पर आरएसएस पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर सकते हैं। इन सूत्रों के अनुसार मोदी और अमित शाह ने आरएसएस नेतृत्व, खासकर भागवत को बिहार विधानसभा चुनाव तक मौजूदा व्यवस्था जारी रखने के लिए कहा है। मोदी ने चुनाव के लिए एक योजना तैयार की है और किसी भी संगठनात्मक विवाद से भाजपा के चुनावी हित प्रभावित होंगे, जो बदले में आरएसएस के दीर्घकालिक राजनीतिक हित को नुकसान पहुंचायेगा।

बिहार और बंगाल के कुछ क्षेत्रीय नेताओं की गुटबाजी और संभावित खतरे से पार्टी कमजोर होगी। इन राज्यों में आरएसएस के प्रभावी हस्तक्षेप को ध्यान में रखते हुए शताब्दी समारोह की योजना बनायी गयी है। उन्होंने आशंका जताई है कि भगवा ब्रिगेड असम पर अपनी पकड़ खो सकती है, जिससे पूर्व और उत्तर पूर्व में पार्टी की संगठनात्मक प्रभावशीलता प्रभावित हो सकती है। उनका तर्क है कि नये अध्यक्ष के लिए बिहार और बंगाल में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उभरने वाली चुनौतियों का सामना करना मुश्किल होगा। चुनौतियों का सामना करने के लिए, भाजपा ने संगठनात्मक बदलाव करने, मौजूदा राष्ट्रीय महासचिवों में से आधे को बदलने और महत्वपूर्ण पदों पर युवा नेतृत्व लाने की योजना बनाई है।

आपके पत्र

महिला आरक्षण की दहलीज़ पर लोकतंत्र

2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत में राजनीति के स्वरूप को बदलने का ऐतिहासिक अवसर है। हालांकि इसका क्रियान्वयन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संभव है, लेकिन यह तभी सफल होगा जब राजनीतिक दल अभी से महिलाओं के लिए अनुकूल वातावरण बनाएं। केवल आरक्षित सीटें देना पर्याप्त नहीं; दलों को आंतरिक कोटा, वित्तीय सहयोग, प्रशिक्षण, मेंटरशिप और निर्णयकारी भूमिका में महिलाओं को प्राथमिकता देनी होगी। अगर यह मौका चूक गया तो आरक्षण भी दिखावा बनकर जाएगा। समावेशी और सशक्त लोकतंत्र के लिए अब निर्णायक और नीतिगत पहल ज़रूरी है।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की उपस्थिति हमेशा सीमित रही है। 2024 में चुनी गई 18वीं लोकसभा में सिर्फ 74 महिलाएं चुनकर आईं, जो कुल सीटों का मात्र 13.6प्रतिशत है। यह आंकड़ा 2019 की तुलना में भी घटा है और वैश्विक औसत 26.9प्रतिशत से काफी पीछे है। राज्य विधानसभाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां औसतन केवल 9प्रतिशत ही महिलाएं विधायक हैं। यह न केवल लैंगिक असमानता को दर्शाता है बल्कि नीति-निर्धारण की उस प्रक्रिया को भी प्रभावित करता है जिसमें आधी आबादी की हिस्सेदारी नगण्य है।

राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के निम्न स्तर के कई सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है भारतीय समाज की गहरी पैठी हुई पितृसत्तात्मक सोच। महिलाओं को पारिवारिक भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाता है, जिससे नेतृत्व के अवसर स्वाभाविक रूप से पुरुषों को मिलते हैं। 'सरपंच पति' जैसी प्रथाएं इस सोच को और भी स्पष्ट करती हैं।

राजनीतिक दलों के भीतर भी यह धारणा प्रचलित है कि महिलाएं चुनाव जीतने की दृष्टि से कमज़ोर प्रत्याशी होती हैं। लेकिन यह एक मिथक है, जिसे हाल के आंकड़े खारिज करते हैं। उदाहरण के लिए, 2024 लोकसभा चुनाव में महिलाएं केवल 9.6प्रतिशत उम्मीदवार थीं, लेकिन उनकी सफलता दर पुरुषों से अधिक थी -उन्होंने 13.6प्रतिशत सीटें जीतीं।

महिलाओं के सामने आर्थिक संसाधनों की कमी भी एक बड़ी बाधा है। भारत में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा है, और अधिकांश महिलाएं—खासकर ग्रामीण व पिछड़े वर्गों से—स्वतंत्र रूप से इतने संसाधन नहीं जुटा सकतीं। इसके अलावा, राजनीति का वातावरण भी महिलाओं के लिए असुरक्षित और शत्रुतापूर्ण रहता है। 2029 का चुनाव भारत के लिए एक ऐतिहासिक अवसर लेकर आएगा। लेकिन राजनीतिक दल अभी से महिला नेतृत्व को गढ़ने में निवेश नहीं करते तो यह आरक्षण भी केवल सत्ता में वंशवाद और प्रतीकात्मकता का विस्तार बनकर रह जाएगा।

अब वक्त है कि दल 'महिलाओं के लिए सीट छोड़ने' की बात नहीं करें, बल्कि 'महिलाओं को नेतृत्व के लिए खड़ा करने' की पहल करें। लोकतंत्र को मजबूत बनाने का यही असली रास्ता है।

-प्रियंका सौरभ

ललित सुरजन की कलम से

शेक्सपियर

मैंने पहले भी लिखा है कि एक बार परसाई जी ने मुझसे कहा था कि अंग्रेजी, हिन्दी और उर्दू में क्रमश:-शेक्सपियर, तुलसीदास और मिर्जा गालिब ये तीनों महान लेखक हैं, क्योंकि इनकी रचनाओं में जैसा जीवन विवेक है वैसा अन्यत्र नहीं है। परसाई जी की यह बात मुझे समय-समय पर याद आ जाती है। आज जबकि दुनिया बहुत बदल चुकी है, फिर भी ऐसे मौके बारंबार हमारे सामने आते हैं जब इन तीनों लेखकों की कोई न कोई उक्ति सहसा मानस पटल पर कौंध जाती है कि अरे, ऐसा तो उन्होंने कहा था। मसलन जब बाजारवाद की बात चलती है जो कि आजकल अक्सर होती है, तो गालिब का शेर याद आ ही जाता है- 'बाजार से निकला हूं खरीदार नहीं हूं' इसी तरह कभी तुलसी, तो कभी शेक्सपियर हमारी विचारयात्रा में साथ आ जाते हैं बल्कि यह कहना सही होगा कि वे हरदम हमारे संग चलते हैं।

क्लासिक साहित्य में सबसे बड़ी खूबी यही है कि वह देशकाल की सीमाओं का अतिक्रमण करता है और हर युग में हर पीढ़ी के पाठक के साथ उसका एक अटूट रिश्ता बना रहता है।

(अक्षर पर्व जून 2014 में प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2014/06/blog-post_16.html

अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस

पर्यावरण पर प्लास्टिक प्रदूषण का कसता शिकंजा

दुनियाभर में जितने भी आविष्कार हुए, वो मानव जाति के विकास में सहयोग हेतु हुए, परंतु मानव ने अपनी आवश्यकताओं की सीमा को तोड़कर मनमानी शुरू कर दी और अपने साथ ही समस्त जीव सृष्टि के लिए विनाश का बिगुल फूंक दिया। ऐसा ही प्लास्टिक प्रदूषण आज हमारे पृथ्वी के लिए बड़ी समस्या बना है। धरती, आकाश, जल, हवा संपूर्ण वातावरण में प्लास्टिक प्रदूषण ने जीवन के लिए खतरा पैदा किया है और यह खतरा तेजी से घातक स्तर पर बढ़ रहा है, फिर भी लोग समझने को तैयार नहीं है। हम अक्सर देखते हैं कि विशिष्ट प्लास्टिक बैग और अन्य प्लास्टिक सामग्री पर प्रतिबंध के बावजूद अवैध तरीके से धड़ल्ले से उपयोग की जाती है। प्लास्टिक प्रदूषण जीवन चक्र को बाधित कर के नुकसान पहुंचा रहा है। इसी समस्या की गंभीरता को समझने के लिए हर साल 3 जुलाई को 'अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है, इस वर्ष 2025 की थीम 'एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक बैग के उपयोग को कम कर के उसके टिकाऊ विकल्पों को बढ़ावा देना' है। यह थीम डिस्पोजेबल प्लास्टिक बैग की समस्या को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर देता है और पुन: प्रयोज्य विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। अभियान का उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण के पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और प्लास्टिक मुक्त भविष्य के लिए कार्रवाई को प्रेरित करना भी है।

संयुक्त राष्ट्र के पर्यावरण कार्यक्रम अनुसार, हर साल 460 मिलियन मीट्रिक टन से ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है। प्लास्टिक का इस्तेमाल लगभग सभी औद्योगिक गतिविधियों में, निर्माण में, वाहनों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि तक और सभी उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। साल 2019 में पर्यावरण में वैश्विक प्लास्टिक कचरे में से 88 प्रतिशत या लगभग 20 मिलियन मीट्रिक टन मैक्रोप्लास्टिक था, जो सभी पारिस्थितिकी तंत्रों को प्रदूषित करता है। दुनिया का अधिकतर प्लास्टिक प्रदूषण बोतलों, कैप, शॉपिंग बैग, कप, स्ट्रॉ जैसे सिंगल-यूज़ उत्पादों से आता है। रोजाना दुनिया के महासागरों, नदियों और झीलों में 2,000 ट्रक प्लास्टिक कचरा डाला जाता है। यूएनईपी 2025 अनुसार, अब तक उत्पादित प्लास्टिक का केवल 9 फीसदी ही रीसाइकिल किया गया है, शेष वातावरण में प्रदूषण के रूप में मौजूद है।

प्लास्टिक प्रदूषण हमारे भोजन, पीने के पानी और हमारे द्वारा सांस ली जाने वाली ऑक्सीजन के माध्यम से भी हमारे शरीर में प्रवेश करता है। सौर विकिरण, हवा, धाराओं और अन्य प्राकृतिक कारकों के कारण, प्लास्टिक माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक में टूट जाता है। नैनोप्लास्टिक शरीर में सहज प्रवेश करने में सक्षम है। माइक्रोप्लास्टिक हमारे दिल, फेफड़े, लीवर, तिल्ली, गुर्दे और दिमाग में भी पाए गए हैं।

प्लास्टिक का उत्पादन उपभोक्ता की मांग को पूरा करने के लिए है, अगर हम उपभोक्ता ही प्लास्टिक से दूरी बना लें, तो समस्या काफी हद तक खत्म हो सकती है, प्लास्टिक के अन्य पर्याय को अपनाना और जागरूकता एवं पर्यावरण के बचाव के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। सबसे पहले अपना स्वार्थ और आलस छोड़ें, सरकारी नीतिनियमों का कड़ाई से पालन करें।

पर्यावरण हमें बेहतर जीवन देने के लिए है, अगर हम ही अपने पर्यावरण को बर्बाद करेंगे तो पर्यावरण भी हमें जीवन नहीं अपितु बर्बादी ही देगा, इस बात की गंभीरता को समझें और जागरूक नागरिक का फर्ज निभाएं।

-डा. प्रीतम

कलेक्टर ज्ञापन लेने नहीं आए तो फूटा आक्रोश

वकीलों ने 3 घंटे लगाया चौराहे पर जाम, कुत्ते को सौंप दिया ज्ञापन

दावा किया कि भू-माफिया जिला न्यायालय की बेशकीमती जमीन को कौड़ियों के भाव खरीदना चाहते हैं

गुना, देशबन्धु। कोर्ट परिसर को जगनपुर शिफ्ट कर रहे गुना जिले के वकीलों ने बुधवार को उग्र आंदोलन किया। वकील सबसे पहले गुना कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां कलेक्टर से मुलाकात नहीं होने के बाद उन्होंने हनुमान चौराहे पर जाम लगा दिया। लगभग 3 घंटे तक भी जब कलेक्टर हनुमान चौराहे पर ज्ञापन लेने नहीं पहुंचे तो वकीलों ने कुत्ते को ज्ञापन सौंपकर अपना आंदोलन समाप्त कर दिया। अधिवक्ता संघ का दावा है कि वे न्यायालय को जगनपुर शिफ्ट किए जाने के विरोध में कलेक्टर से मिलने पहुंचे थे। अधिवक्ता संघ ने दोपहर 2 बजे का समय कलेक्टर को दिया था, लेकिन वे दोपहर 1.30 बजे ही अपने कार्यालय से उठकर चले गए।

इसके बाद जब वकील कलेक्ट्रेट पहुंचे तो ज्ञापन लेने नहीं आने पर कलेक्टर के खिलाफ नारेबाजी कर दी और कुछ देर बाद हनुमान चौराहे पर आकर चक्काजाम कर दिया है। वकीलों के आंदोलन को देखते हुए जिला प्रशासन ने हनुमान चौराहे पर फायर ब्रिगेड तैनात कर दी थी। संभावना बन गई थी कि कि आंदोलन उग्र हुआ तो पानी की बौछारें छोड़ी जा सकती हैं। बता दें कि वकील गुना न्यायालय को हनुमान चौराहे से जगनपुर शिफ्ट करने का विरोध कर रहे हैं। उनका दावा है कि जिला प्रशासन भू-माफियाओं को फायदा पहुंचाने के लिए न्यायालय को शिफ्ट कर रहा है। जबकि हनुमान चौराहे पर ही न्यायालय के पास पर्याप्त जमीन उपलब्ध है। जगर कोर्ट को जगनपुर भेजा गया तो यह सुरक्षा की दृष्टि से भी सही नहीं होगा। इस मामले में केंद्रीय मंत्री और सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया पर भी अनदेखी के आरोप लगाए जा रहे हैं।

फिर दोहराई भू-माफियाओं की साजिश

जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष भूपनारायण सोलंकी ने प्रदर्शन के दौरान जिला न्यायालय को जगनपुर भेजने के पीछे भू-माफियाओं के षड्यंत्र को एक बार फिर उजागर किया। उन्होंने दावा किया कि भू-माफिया जिला न्यायालय की बेशकीमती जमीन को कौड़ियों के भाव खरीदना चाहते हैं। इस तरह का षड्यंत्र पहले भी आरटीओ कार्यालय की भूमि को खरीदकर किया गया है। जबकि भू-माफियाओं का यह भी प्रयास है कि उनकी जगनपुर स्थित जमीनें जो कौड़ियों के भाव खरीदी गई थीं वे अब बेशकीमती जमीनों में तब्दील हो जाए। इसीलिए जिला न्यायालय सहित विभिन्न कार्यालयों को लगातार वहां शिफ्ट करने की प्रक्रिया की जा रही है। इस काम में जिला प्रशासन सहयोग कर रहा है। इसीलिए कलेक्टर बार-बार कह रहे हैं कि जिला न्यायालय निर्माण की प्रक्रिया शुरु हो गई है। सोलंकी ने कहाकि जिला न्यायालय को जगनपुर शिफ्ट करने के दौरान शासन के करोड़ों बर्बाद हो जाएंगे। क्योंकि कोर्ट परिसर जगनपुर ले जाने के साथ ही न्यायाधीशगण के बंगलों को भी शिफ्ट किया जाएगा।

कलेक्टर ने सिंधिया को किया गुमराह

कलेक्ट्रेट में वकीलों को संबोधित करते हुए अभिभाषक संघ के अध्यक्ष भूपनारायण सोलंकी ने गुना कलेक्टर पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जब गुना दौरे पर आए तब उन्होंने मुलाकात की। सिंधिया ने अभिभाषक संघ से संभावित समस्याओं पर चर्चा की थी। लेकिन तब कलेक्टर ने सिंधिया को गुमराह किया। सोलंकी ने आक्रोशित होते हुए कहाकि यदि कोई अधिकारी जनप्रतिनिधि को गुमराह करेगा तो यह अच्छी बात नहीं है। उन्होंने कहाकि गुना जिले में कई बार 6 महीने के भीतर ही कलेक्टरों के तबादले हो जाते हैं। ऐसा प्रशासनिक अधिकारी सही नहीं है जो जनप्रतिनिधियों को गलत जानकारी दी। सोलंकी के मुताबिक अभिभाषक शिक्षित वर्ग है, वह अपना भला-बुरा अच्छी तरह समझता है। इसलिए वह पुरजोर तरीके से कह रहे हैं कि जिला न्यायालय को जगनपुर शिफ्ट करना सही नहीं होगा और अभिभाषक संघ तब तक विरोध करेगा, जब तक कि यह कार्रवाई रुक नहीं जाती।

यातायात किया गया डायवर्ट

वकीलों द्वारा जिद पर अड़े रहने की वजह से हनुमान चौराहे के दोनों तरफ लम्बा जाम लग गया। हालात गंभीर होते देख यातायात पुलिस ने शाम लगभग 5.30 बजे से ट्रैफिक डायवर्ट करना शुरु कर दिया। इस दौरान हनुमान चौराहे से गायत्री मंदिर की ओर खड़े वाहनों को जगदीश कॉलोनी, तेलघानी के रास्ते निकाल गया। जबकि तेलघानी पर खड़े वाहनों को बड़े पुल के रास्ते वापस लौटाते हुए रेलवे स्टेशन रोड और बीजी रोड से डायवर्ट किया गया। हालांकि इसके बावजूद बड़ी संख्या में वाहन जाम में फंसे रहे। रूट डायवर्ट करने के दौरान पुलस को भी खासी मशक्कत का सामना करना पड़ा।

बीते साल की तुलना में तेज हो रही बारिश

भारी बारिश का दौर जारी, कई इलाके जलमग्न, आमजन परेशान

गुना, देशबन्धु। जिले में धुआंधार बारिश का दौर लगातार जारी है। जून महीने में दस्तक देने के बाद मानसून लगातार सक्रिय बना हुआ है। बीते 24 घंटों में गुना जिले की अलग-अलग तहसीलों में 5 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। आंकड़े बताते हैं कि बीते साल की तरह इस बार भी मानसून मेहरबान है। यही वजह है कि अभी जुलाई का महीना शुरु हुआ है और बारिश ने 30 प्रतिशत कोटा पूरा कर लिया है। गुना जिले में मानसून की मौजूदगी औसतन 15 सितम्बर तक दर्ज की जाती है। हालांकि बारिश की बेकाबू नजर आ रही रफ्तार ने जिलेभर में लोगों की मुश्किलों में भी इजाफा कर दिया है। खासकर जिला मुख्यालय पर मंगलवार-बुधवार दरमियानी रात हुई तेज बारिश की वजह से शहर के अधिकांश इलाकों में जलभराव के दृश्य सामने आ रहे हैं। शहर के गुलाब गंज और कैंट इलाके के वार्ड क्रमांक 30, 31 और 33 में जगह-जगह पानी भरा हुआ है। इस क्षेत्र के गोविंद गार्डन में भी पानी भरने से लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिक जल भराव के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे हैं और नगरीय निकाय व जिला प्रशासन पर बारिश पूर्व अनदेखी का आरोप लगा रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर बारिश से पहले जलभराव की संभावनाओं पर गौर किया जाता तो मानसून के दौरान जनजीवन अस्त-व्यस्त होने की नौबत नहीं आती। वहीं दूसरा पहलू यह भी है कि जिले में इस बार मानसून कुछ ज्यादा ही मेहरबान है। 20 जून के बाद गुना जिले के अधिकांश क्षेत्रों में रोजाना बारिश दर्ज की जा रही है। बीती रात भी कुछ ऐसा ही हुआ जब बादलों ने एक बार फिर बरसना शुरु किया तो फिर रातभर बारिश का सिलसिला नहीं थम सका। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार सुबह 8.30 बजे से बुधवार सुबह 8.30 तक 125 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज हो चुकी है।

आंकड़ों में बारिश की स्थिति

सीजन में अब तक आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए तो संपूर्ण जिले में 320 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई है। इसमें सबसे ज्यादा गुना ब्लॉक में 549 मिलीमीटर, बमौरी में 481 मिलीमीटर, आरोन में 280, राघौगढ़ में 281, चांचौड़ा में 268, कुंभराज में 185 और मक्सूदनगढ़ में 196 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई है। जबकि बीते साल में 2 जुलाई 2024 तक 173.7 मिलीमीटर बारिश हुई थी। इस लिहाज से मानसून की रफ्तार को देखें तो इस साल 2 जुलाई तक पिछले वर्ष की तुलना में 146.5 मिलीमीटर ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है। आपको बता दें कि गुना जिले की औसत बारिश 1053.5 मिलीमीटर है। बीते वर्ष कुल बारिश का आंकड़ा सामान्य से ज्यादा 1265 मिलीमीटर रिकॉर्ड हुआ है। इस बार यानी साल 2025 में भी मानसून की रफ्तार और सक्रियता देखकर औसत से कहीं ज्यादा बारिश होने की संभावना जताई जा रही है।

बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम सतनपुर की घटना

दर्दनाक हादसा, तालाब में डूबने से 2 सगे भाइयों की मौत

- सतनपुर गांव में मातम पसरा
- बारिश की वजह से तालाब का जलस्तर काफी बढ़ गया था

गुना, देशबन्धु। जिले के बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां के सतनपुर गांव में दो भाइयों की तालाब में डूबने से मौत हो गई है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी सामने आया है कि सतनपुर निवासी भानू राजपूत के बेटे विक्रम (13) और लड्डू (11) बुधवार सायं लगभग 4 बजे गांव के ही नजदीक स्थित तालाब में नहाने के लिए गए थे। तालाब में दोनों सगे भाइयों के अलावा दो और बच्चे नहाने रहे थे। इसी दौरान विक्रम और लड्डू काफी देर तक पानी से बाहर नहीं निकले तो उनके साथ मौजूद बच्चों ने गांव में सूचना भेजी। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर विक्रम और लड्डू को बाहर निकाला और उनके शरीर से पानी निकालने का प्रयास किया। लेकिन दोनों बच्चों की हालत गंभीर होने पर ग्रामीण निजी वाहन से तत्काल उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने दोनों भाइयों को मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद जिला अस्पताल में मृतकों के परिजन हृदय विदारक विलाप करते नजर आए। जानकारी मिलने पर कई ग्रामीण भी जिला अस्पताल पहुंच गए थे, जिन्होंने मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधाया है। घटना के बाद सतनपुर गांव में मातम पसरा हुआ है। बताया जा रहा है कि बीते कुछ घंटों में हुई बारिश की वजह से तालाब का जलस्तर काफी बढ़ गया था। इसी दौरान दोनों भाई यहां नहाने के लिए पहुंच गए और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।

सार-समाचार

अस्पताल में पति ने गर्भवती पत्नी पर किया जानलेवा हमला, हादसा टला

गुना, देशबन्धु। जिले के कैंट थाना क्षेत्र के खुटियावद गांव निवासी एक व्यक्ति ने बुधवार दोपहर जिला अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा करते हुए अपनी 8 महीने की गर्भवती पत्नी पर पत्थर से हमला करने का प्रयास किया। हालांकि ससुराल पक्ष और मायका पक्ष के लोगों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, खुटियावद निवासी माखन अहिरवार की ससुराल कैंट स्थित सिंगवासा में है। माखन की पत्नी 8 महीने की गर्भवती है और उसकी तबीयत खराब चल रही है। माखन के पिता का ब्लड प्रेशर भी बढ़ गया था, जिसके चलते दोनों ससुर-बहू जिला अस्पताल में इलाज के लिए आए हुए थे। बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे माखन शराब के नशे में धुत होकर जिला अस्पताल पहुंचा। वहां उसने अपनी पत्नी को तलाक देने और परिवार से पैसे की मांग शुरू कर दी। परिवारजनों ने जब इसका विरोध किया तो माखन ससुराल पक्ष और मायका पक्ष के लोगों से झूमाझटकी करने लगा। इसी दौरान माखन ने एक भारी पत्थर उठाकर अपनी पत्नी के सिर पर पटकने की कोशिश भी की, लेकिन लोगों ने तुरंत उसे पकड़ लिया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। अस्पताल परिसर में करीब 45 मिनट तक यह ड्रामा चलता रहा। इसके बाद अस्पताल चौकी में पदस्थ प्रधान आरक्षक संजू राठौर के मौके पर पहुंचे और युवक को फटकार लगाई। इसके बाद ही माखन अहिरवार ने ड्रामा बंद किया और मौके से भाग निकला।

महिला की छत पर कपड़े सुखाते समय करंट लगने से मौत

गुना, देशबन्धु। अशोकनगर जिले के नईसराय थाना अंतर्गत कांकड़ा गांव की 40 वर्षीय सविता बाई रघुवंशी की आज सुबह दर्दनाक मौत हो गई। गुना जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

सुबह करीब 9 बजे सविता बाई अपने घर की छत पर कपड़े सुखा रही थीं, तभी छत से बंधे बिजली के तार में करंट आ गया। बारिश के कारण छत पानी से भीगी हुई थी, जिससे उन्हें जोरदार बिजली का झटका लगा। परिजनों ने तत्काल सविता बाई को जिला अस्पताल गुना पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर कैंट पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। सविता बाई भोला राम रघुवंशी की पत्नी थीं। इस दुखद घटना से पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है।

बाल कल्याण समिति ने किया था हस्तक्षेप

महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय में प्रवेश को लेकर विवाद सुलझा

गुना, देशबन्धु। महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय में नौवीं कक्षा में प्रवेश को लेकर एक बालिका की शिकायत पर बाल कल्याण समिति, जिला गुना, ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले को सुलझा लिया है। बालिका ने शिकायत की थी कि सभी आवश्यक दस्तावेज होने के बावजूद उसे नौवीं कक्षा में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। बालिका की शिकायत पर बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष डॉ. नीरू शर्मा, और सदस्य अनुसुईया रघुवंशी, डॉ. रेणु मिश्रा, रविन्द्र रघुवंशी, सुधाकर शर्मा ने तत्काल विद्यालय का दौरा किया। समिति ने प्राचार्य और सभी स्टाफ सदस्यों से विस्तृत बातचीत कर जानकारी प्राप्त की। प्राचार्य और स्टाफ ने स्पष्ट किया कि बालिका को अंक के संबंध में कार्यालय भेजा गया था, लेकिन बालिका ने शायद यह समझ लिया कि उसे शिक्षा अधिकारी से मार्क करवाकर लाना है। यह संवाद की गलतफहमी के कारण उत्पन्न हुआ मामला था। इस अवसर पर, अध्यक्ष डॉ. नीरू शर्मा ने विद्यालय में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के बीच स्पष्ट और सरल संवाद के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर संचार से ऐसी गलतफहमियों को टाला जा सकता है। समिति ने प्राचार्य और स्टाफ को स्पॉन्सरशिप योजना के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। बताया गया कि महिला बाल विकास विभाग द्वारा ऐसे बच्चों को 4000 रुपये प्रतिमाह पालन-पोषण और शिक्षा के लिए उनके संरक्षक को दिए जाते हैं, जिनके पिता की मृत्यु हो गई हो या माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो और जो आर्थिक रूप से कमजोर हों।

बच्चों की सुरक्षा और विधिक सहायता पर मार्गदर्शन

समिति के सदस्यों ने विद्यालय में बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि बच्चों को अपनी सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, बच्चों के लिए विधिक सहायता की जानकारी भी दी गई, ताकि उन्हें आवश्यकता पडने पर कानूनी सहायता मिल सके। बाल कल्याण समिति के इस हस्तक्षेप से न केवल संबंधित बालिका का प्रवेश संबंधी मुद्दा सुलझा, बल्कि विद्यालय में संवाद की स्पष्टता, बच्चों के कल्याण और सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। यह घटना बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए बाल कल्याण समिति की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नियमितीकरण और मानदेय की मांग

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

गुना, देशबन्धु। मध्य प्रदेश आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-मिनी कार्यकर्ता एवं सहायिका संघ ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम 5 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा है। संगठन की मुख्य मांग नियमितीकरण की है। संगठन का कहना है कि वे लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि वे बहुत ही कम मानदेय पर काम कर रही हैं, जबकि वे सरकार की नींव हैं और कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो देशभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने वर्तमान में जारी फेस कैप्चर प्रक्रिया का भी कड़ा विरोध किया है, क्योंकि इसमें तकनीकी कमियां आ रही हैं। बताया गया कि कई लोगों के पास मोबाइल ही नहीं हैं, जिससे उनकी केवायसी नहीं हो पा रही है। लेकिन इसका खामियाजा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को भुगतना पड़ रहा है। ज्ञापन में 5 सूत्रीय मांगों शामिल हैं जिनमें प्रमुख रूप से केंद्र और राज्य सरकार समन्वय स्थापित कर नियुक्ति प्रक्रिया में संशोधन करने और कार्यकर्ताओं की ड्यूटी बीएलओ के कार्य में न लगाया जाना शामिल है।

अध्यक्ष सविता गुप्ता ने दिया आश्वासन

नपा कर्मचारियों को मिलेगी पदोन्नति

गुना, देशबन्धु। नगर पालिका गुना के कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए पदोन्नति का रास्ता साफ होता दिख रहा है। शासन द्वारा जारी पदोन्नति आदेशों के अनुपालन में, नगर पालिका कर्मचारी संगठन ने आज नगर पालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता को एक पत्र सौंपा, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए शासन को प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया गया है। संगठन ने अध्यक्ष से अनुरोध किया है कि वरिष्ठता सूची के अनुसार पदोन्नति के लिए पीआईसी (प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल) का संकल्प पारित कर शासन को भेजा जाए। इस पहल पर तत्काल कार्रवाई करते हुए, सविता अरविंद गुप्ता ने पत्र को मुख्य नगर पालिका अधिकारी को प्रेषित कर दिया। इस अवसर पर, नगर पालिका अध्यक्ष ने संगठन के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, आप सभी मेरे परिवार के सदस्य हैं, मेरी मशीनरी हैं। मेरे द्वारा आप सबका जो भला हो सकता है, मैं सदैव उसके लिए तैयार हूं। मेरे कार्यकाल में आप सभी को प्रमोशन मिले, यह मुझे सबसे बड़ी खुशी होगी। उन्होंने कर्मचारियों को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि शासन स्तर पर यदि किसी सहयोग की आवश्यकता होगी, तो वह भी करेंगी। ज्ञापन सौंपने वालों में संगठन के अध्यक्ष सुधीर श्रीवास्तव, विद्युत शाखा प्रभारी नरेंद्र नोनेरिया, लेखा शाखा से सूर्य भानु झा और संजीव धाकड़, तथा स्थापना शाखा से अनिल धौलपुरिया और चंद्रेश सोनी सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित थे। इस कदम से नगर पालिका कर्मचारियों में पदोन्नति की उम्मीद जगी है, जिससे उनके मनोबल में वृद्धि होने की संभावना है।

जीतू पटवारी पर दर्ज एफआईआर निरस्त करने दिया ज्ञापन

हम अंग्रेजों से नहीं डरे तो भाजपा से क्या डरेंगे

- जो लोग डराने का काम कर रहे हैं उन्होंने पहले भी अंग्रेजों से माफी मांगीः जीतू

गुना, देशबन्धु। गुना जिला कांग्रेस ने बुधवार दोपहर पार्टी जिला अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ के नेतृत्व में एसपी ऑफिस पहुंचकर डीजीपी के नाम गुना एसपी को ज्ञापन दिया और अशोकनगर जिले के मुंगावली थाने में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर निरस्त करने की मांग की है।

कांग्रेस ने जीतू पटवारी पर दर्ज एफआईआर को निराधार और झूठा बताया है। जिला अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ ने स्पष्ट किया कि अगर भाजपा एफआईआर दर्ज करने के बहाने कांग्रेस को डराना चाहती है तो वह एक भी कार्यकर्ता को भी न डरा सकती है और न झुका सकती है। कांग्रेस वह पार्टी है, जिसे आजादी से पहले अंग्रेज नहीं डरा सके। जो लोग डराने का काम कर रहे हैं उन्होंने पहले भी अंग्रेजों से माफी मांगी, लेकिन कांग्रेस का कार्यकर्ता निडर है वह न डरेगा न ही झुकेगा। कांग्रेस द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि 25 जून को मुंगावली क्षेत्र के पीड़ितों ने जीतू पटवारी से न्याय की दिलाने की गुहार लगाई थी। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि 26 जून को पीड़ितों ने बिना किसी कारण अशोकनगर कलेक्ट्रेट पहुंचकर शपथ दे दिया। जिसमें आरोप लगाया गया कि पीड़ितों को जीतू पटवारी ने गलत बयान देने के लिए उकसाया था। जबकि पटवारी पीड़ितों को न्याय दिलाने का प्रयास कर रहे थे। जीतू पटवारी ने पीड़ितों, शोषितों की आवाज उठाने और न्याय दिलाने का अपना कर्तव्य निभाया था और यही काम कांग्रेस प्रदेशभर में कर रही है, जो भाजपा को रास नहीं आ रहा है। पटवारी के साथ मुलाकात के दौरान पीड़ितों की जो दुर्दशा थी, उसे देखकर स्पष्ट लग रहा है कि उनपर सत्तापक्ष ने दबाव बनाया जिसकी वजह से उन्होंने बाद में गलत बयान दर्ज कराया है। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक से मांग की है कि जीतू पटवारी के खिलाफ मुंगावली थाने में 27 जून को दर्ज एफआईआर क्रमांक 0233 निरस्त की जाए। अन्यथा कांग्रेस अशोकनगर सहित प्रदेशभर में उग्र आंदोलन करेगी, जिसकी जिम्मेदार मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार होगी। पार्टी ने चेतावनी दी है कि जब तक एफआईआर निरस्त की जाती है कांग्रेस प्रदेशभर में आंदोलन जारी रखेगी। 8 जुलाई को कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ता अशोकनगर जिले में पहुंचेगी और जीतू पटवारी पर दर्ज एफआईआर के विरोध में गिरफ्तारी दी जाएंगी।

सार-समाचार

अधिकारियों-कर्मचारियों को मुख्यालय से अनुपस्थित न रहने के निर्देश

रायसेन, देशबन्धु। विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है जो 8 अगस्त तक चलेगा। कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि विधानसभा सत्र के दौरान कोई भी अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के ना तो अवकाश पर प्रस्थान करेगा और ना ही सार्वजनिक अवकाश में मुख्यालय छोड़ेगा। अपरिहार्य कारणों से यदि अवकाश पर प्रस्थान करना अथवा सार्वजनिक अवकाश में मुख्यालय छोड़ना अनिवार्य हो तो अपर कलेक्टर की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य होगी। इसके अतिरिक्त किसी भी कर्मचारी को अवकाश स्वीकृति हेतु अपर कलेक्टर से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है। सभी कार्यालय प्रमुखों को विधानसभा के प्रश्नों के उत्तर समय सीमा में भेजने के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर नोडल अधिकारी का नाम एवं मोबाईल नम्बर कलेक्टर कार्यालय को तीन दिवस में अनिवार्य रूप में भेजने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सार्वजनिक अवकाश के दिवस में कार्यालय में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में 21 से प्रारंभ होगा कोडिंग लैब का प्रथम बैच

रायसेन, देशबन्धु। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय रायसेन में 21 जुलाई 2025 से कोडिंग लैब के प्रथम बैच का प्रशिक्षण आरंभ होगा। प्रशिक्षण तीन स्तरों पर सप्ताह में तीन दिवस अपरान्ह 02 बजे से शाम 04 बजे तक दिया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एसपी कोरी ने बताया कि प्रथम स्तर पर फेस-1 फाउंडेशन लेवल (40 घण्टे का) जो कि बेसिक कोर्स उनके लिए है जिन्हें प्रोग्रामिंग का कोई अनुभव नहीं है। द्वितीय स्तर पर फेस-2 इंटरमीडियट लेवल (60 घण्टे का) उनके लिए जो अपनी प्रोग्रामिंग स्किल्स को प्रोन्नत करना चाहते हैं एवं तृतीय स्तर पर फेस-3 एडवांस लेवल (80 घण्टे का) प्रोग्रामिंग के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों के लिए है। प्राचार्य डॉ एसपी कोरी ने बताया कि इस प्रशिक्षण में जिले के विद्यालयों तथा महाविद्यालयों के छात्रों, पासआउट विद्यार्थियों और अन्य जिज्ञासु सम्मिलित हो सकते हैं। पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात प्रतिभागियों को संस्था द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। पाठ्यक्रम पूर्ण करने उपरांत विद्यार्थी कोडिंग जैसी नवीनतम स्किल सीख कर सॉफ्टवेयर एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने हेतु अग्रसर हो पाएंगे।

आईटीआई में छात्राओं तथा महिलाओं के लिए 381 सीट आरक्षित

रायसेन, देशबन्धु। जिले में छात्राओं तथा महिलाओं को रोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आईटीआई में प्रवेश हेतु ऑनलाईन पंजीयन प्रारंभ है। कक्षा 8वीं या 10वीं परीक्षा उत्तीर्ण छात्राएं तथा महिलाएं जिले में संचालित शासकीय आईटीआई रायसेन, बेगमगंज, गैरतगंज, सिलवानी, मंडीदीप एवं देवरी में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकती हैं। ऑनलाईन आवेदन करने एवं इच्छित संस्था और व्यवसाय की च्वाईस फिलिंग की अंतिम तिथि 11 जुलाई निर्धारित है। जिले संचालित 6 शासकीय आईटीआई में कुल 1088 सीटों में से 381 सीटें छात्राओं/महिलाओं के लिए आरक्षित है। आईटीआई से प्रशिक्षण के बाद रोजगार के बेहतर अवसर भी उपलब्ध है।

पैदल मार्च कर थाने में दिया धरना, थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

आदिवासी गांवों की महिलाओं ने शराब माफिया के खिलाफ फिर खोला मोर्चा

सिलवानी, देशबन्धु। तहसील के आदिवासी अंचल की महिलाओं ने शराब माफिया के खिलाफ एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं बजरंग चौराहे से एकजुट होकर करीब एक किलोमीटर पैदल मार्च करते हुए सिलवानी थाने पहुंचीं। यहां महिलाओं ने थाने परिसर में जमीन पर बैठकर करीब आधे घंटे तक धरना दिया और आबकारी विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरने के बाद महिलाओं ने एसडीओपी अनिल मौर्य एवं थाना प्रभारी पूनम सविता को राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए अवैध शराब कारोबार पर तत्काल प्रभाव से कठोर कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में महिलाओं ने साफ तौर पर कहा कि बीते कई महीनों से वे मुख्यमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्री, सांसद से लेकर कलेक्टर तक लिखित शिकायत कर चुकी हैं। प्रत्येक मंगलवार जनसुनवाई में और स्थानीय थाने व जैथारी चौकी में भी कई बार गुहार लगाई गई, लेकिन अब तक आबकारी विभाग द्वारा किसी भी शराब माफिया पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

महिलाओं ने पकड़ी अवैध शराब

आबकारी विभाग की अनदेखी से त्रस्त महिलाएं अब खुद ही गांव-गांव जाकर शराब पकड़ रही हैं। पुलिस के सहयोग से ग्राम कटक, निभौरा, चैनपुर, हथौड़ा, मगरमौली समेत दर्जनों गांवों में महिलाएं बैठकें कर माफिया को रोक रही हैं। कई बार ये विरोध टकराव में भी तब्दील हो गया। हाल ही में हथौड़ा और मगरमौली गांवों में महिलाओं ने बड़ी मात्रा में शराब पकड़कर पुलिस के हवाले की। यह कार्रवाई पुलिस के साथ मिलकर की गई, लेकिन महिलाओं ने सवाल उठाया कि यदि उन्हें ही हर बार जोखिम उठाकर शराब पकड़नी है, तो फिर आबकारी विभाग की क्या भूमिका रह जाती है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि शराब माफिया आदिवासी युवाओं को लालच देकर नशे की दलदल में धकेल रहे हैं, जिससे समाज में तनाव, रंजिश और अपराध की स्थिति बन रही है। महिलाओं का आरोप है कि प्रशासन की चुप्पी अब संदेहजनक लगने लगी है। महिलाओं की मांग है कि सिलवानी क्षेत्र में सक्रिय शराब माफियाओं की तुरंत गिरफ्तारी की जाए। आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई टीम बनाकर गांव-गांव अभियान चलाया जाए।आबकारी विभाग के दोषी अधिकारियों और माफियाओं को संरक्षण देने वाले तंत्र की जांच की जाएं समाज की चेतावनी अब चुप नहीं बैठेंगी महिलाएं महिलाओं ने साफ कहा कि यदि अब भी कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को तहसील स्तर से जिला स्तर तक ले जाया जायेगा। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं शामिल रहीं

इनका कहना है

पिछले चार माह में लगभग अवैध शराब बेचने वाले लोगों के खिलाफ 40 प्रकरण पुलिस द्वारा दर्ज किया चुके हैं पुलिस द्वारा निरंतर गांव गांव में जाकर ग्रामीणों के साथ बैठक कर जन संवाद किया जा रहा है और शराब बेचने वाले लोगों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

अनिल मौर्य, एसडीओपी सिलवानी

खंडेलवाल के अध्यक्ष बनने पर जिला भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर बांटी मिठाई

रायसेन, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी संगठन महापर्व के समापन अवसर पर नवागत प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर जिला भाजपा कार्यालय में भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ जमकर आतिशबाजी चलाई एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। वहीं जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा ने भोपाल पहुंचकर श्री खंडेलवाल का पुष्पहार से स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष जीतू आदित्य शर्मा, राजेश पंथी, बृजेश चतुर्वेदी, वीर सिंह पटेल, रघुवीर सिंह मीणा, श्रीमती वर्षा लोधी, जीतू ठाकुर, सी एल गौर, बबलू ठाकुर, देवेंद्र यादव, दीपक रघुवंशी, किशन गौर, ब्रज विश्वकर्मा, वरुण खत्री, सत्येंद्र सिंह चौहान, सुमित चतुर्वेदी, मयंक चतुर्वेदी, अशोक सोनी, विशाल कुशवाहा, विश्वाश रैकवार, दिनेश राठौर,रमेश दादा सहित भाजपा नगर मंडल के अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अतिवृष्टि या बाढ़ की स्थिति से निपटने कंट्रोल रूम स्थापित

रायसेन, देशबन्धु। जिले में अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यालय रायसेन में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम में ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल संबंधी समस्या के निराकरण हेतु भी सम्पर्क किया जा सकता है। जिले में अतिवृष्टि या बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री गिरीश काम्बले को दूरभाष नम्बर 07482-290240 पर या मो.न. 8349922083 पर सूचना दी जा सकती है। साथ ही नियंत्रण कक्ष प्रभारी वरूण दुपारे उपयंत्री मो.न. 8447737627 तथा दीपक राय जिला समन्वयक मो.न. 8085523116 पर अवगत कराया जा सकता है।

18 साल से लगतार जा रहे मिश्रा अपने साथियों के साथ अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

रायसेन, देशबन्धु। नगर से प्रतिवर्षानुसार अमरनाथ यात्रा पर जाने वाला जत्था बुधवार को रवाना हुआ। नगर के प्रवीण मिश्रा 18 वर्षों से सतत अमरनाथ की यात्रा कर रहे हैं। 19वें वर्ष में भी दर्शन के लिए वे बुधवार को रवाना हुए। उनके साथी प्रताप कुशवाहा, अर्पित मिश्रा, अर्पण मिश्रा, सीमा मिश्रा, नीलेश राज, कला कुशवाहा, उमा कुशवाहा मेहेगांव मंदिर के दर्शन कर रवाना हुए। लगातार 19वीं बार अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले प्रवीण मिश्रा बताते हैं कि बाबा के यहां 2006की पहली ऐसी यात्रा जिसमें मैंने जीवन का सब कुछ सत्य देखा। यह यात्रा मेरे अपने

जीवन भर मुझे याद रहेगी। 18 सालों से लगातार जा रहे मिश्रा ने बताया कि अमरनाथ यात्रा मार्ग के लोगों से अब बहुत अच्छे संबंध हो गए हैं। हर वर्ष अमरनाथ यात्रा का इंतजार रहता है ताकि सभी साथी मिल सके।

बारिश से सड़कों पर हुए गड्ढों में भरा पानी, वाहन चालकों की बढ़ी मुसीबत

सिलवानी, देशबन्धु। लगातार हो रही बारिश के चलते क्षेत्र की सड़कों के अलावा स्टेट हाइवे एवं नेशनल हाइवे की सर्विस रोड के गड्ढे पानी में समा गए हैं। ऐसे में राहगीरों को गड्ढों का अंदाजा नहीं हो पा रहा। लिहाजा राहगीर आए दिन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। गड्ढों तब्दील हुई सड़कों पर दुर्घटनाएं घटित हो गई हैं। बावजूद इसके न तो नगर परिषद स्तर पर सड़कों की मरम्मत कराई जा रही है और ना ही हाइवे अथॉरिटी द्वारा गड्ढों को भरवाने का काम कराया जा रहा है।

दुर्घटनाग्रस्त हुए लोगों ने बताया कि शायद संबंधित अधिकारियों को जनहानि भरे हादसे का इंतजार है। बारिश से पूर्व मरम्मत कराए जाने के लिए स्थानीय नागरिकों द्वारा गड्ढों से उत्पन्न हो रही समस्या से अवगत कराया गया था। लेकिन प्रशासन ने इस ओर ध्यान आकर्षित नहीं किया। बारिश में समस्या विकराल हो गई है। गैरतगंज गाडरवारा स्टेट हाईवे 15 पर हुए गड्ढे इन दिनों बारिश के पानी से छिप गए हैं। ऐसे में बाहरी राहगीरों को उन गड्ढों का अंदाजा नहीं हो पाता लिहाजा आए दिन वाहनों के पहिए अचानक गड्ढे में फंस जाने से राहगीर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। रात में जनहानि भरे हादसे का अंदेशा बना हुआ है। हादसों में कोई जनहानि भले ही नहीं हुई बावजूद इसके दर्जनभर लोग घायल होकर अस्पताल पहुंचे हैं। इन दिनों गड्ढों में पानी भर गया है। ऐसे में रात के वक्त सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों को गड्ढों का अंदाजा नहीं होता पाता है। दूर से सड़क समतल नजर आती है। अचानक से पहिया गड्ढे में गिरने पर वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है। गनीमत ये है कि फिलहाल कोई जनहानि भरा हादसा घटित नहीं हुआ है। लोगों का मानना है कि शायद मरम्मत कराए जाने के लिए प्रशासन को बड़े हादसे का इंतजार है। सिलवानी नगर वेयरहाउस मार्ग पर गड्ढे आमजन के लिए मुसीबत बन गए हैं। खासतौर से दो पहिया वाहन चालकों के लिए खतरा उत्पन्न कर रहे हैं। वहीं सिविल हॉस्पिटल के निकट सर्विस रोड पर गहरे गड्ढे बड़े हादसे को आमंत्रण दे रहे हैं। समस्या के संबंध में सामाजिक संगठनों के अलावा स्थानीय नागरिक भी विभागीय अधिकारियों को मरम्मत कराए जाने की गुहार कर चुके हैं। अभी तक गड्ढों में मुरम तक डलवाकर उन्हें भरवाए जाने का काम नहीं कराया जा सका है।

इनका कहना है

नगर की सड़कों की मरम्मत कराए जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं। जल्दी गड्ढों को भरवा दिया जाएगा।

ऋषिकांत यादव सीएमओ नगर परिषद सिलवानी

शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी: कलेक्टर

त्योहारों को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

देवास, देशबन्धु। जिले में जुलाई एवं अगस्त माह में आने वाले त्योहारों पर कानून एवं व्यवस्थाओं पर विचार विमर्श के लिए कलेक्टर ऋषुराज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला शांति समिति के सदस्यगण एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे। शांति समिति की बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले में अभी तक जितने भी आयोजन हुए हैं जिले के नागरिकों के सहयोग से ही जिला प्रशासन निर्विघ्न व शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने में सफल रहा है।

छोटी-छोटी बातों पर कोई भी शांति व्यवस्था बिगाडने का काम नहीं करें। जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू हैं। सभी से अपेक्षा है कि लॉ एण्ड आर्डर का पालन करते हुए त्योहार मनाये। हाईवे, रोड जाम करना हमारे जिले की तासीर नहीं है। ऐसा करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। देवास शांति प्रिय जिला है, कोई भी जिले की तासीर बिगाडने का काम नहीं करें। लॉ एण्ड आर्डर बिगाड़ने वाली पोस्ट करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। पुलिस द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है, लॉ एण्ड आर्डर बिगाडने वाली पोस्ट करने वालों को ढुंढने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। शांति समिति के सदस्य सभी को संदेश दें कि इस प्रकार का कोई कार्य नहीं करें। सभी नागरिक आपसी सदभाव व शांति बनाये रखते हुए त्यौहारों को मिलजुलकर मनायें और देवास के परस्पर सदभाव की परंपरा को आगे भी बनायें रखें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि नगर निगम जुलूस मार्ग का निरीक्षण कर जहां-जहां पर पेच वर्क की आवश्यकता है,वहां पर पेच वर्क का कार्य कर लें। उन्होंने कहा कि त्यौहारों में कोई भी जुलूस में किसी भी प्रकार के हथियार लेकर नहीं चलेंगे। जुलूस में वालेंटियर ड्रेस में बेच लगा कर रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जूलूस में दो से ज्यादा स्पीकर लगाने की अनुमति नहीं होगी।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष पर दर्ज प्रकरण की जांच के लिए अड़ा रघुवंशी समाज

नागदा ,देशबन्धु। रघुवंशी समाज ने भाजपा उज्जैन जिला उपाध्यक्ष बबीता रघुवंशी और उनके परिजनों के खिलाफ इंदौर में दर्ज दहेज प्रताड़ना प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है। समाजजनों ने एकजुट होकर इस संबंध में पुलिस आयुक्त इंदौर के नाम थाना प्रभारी नागदा को ज्ञापन दिया। जिसमें कहा गया कि इस मामले की उच्च स्तर के अधिकारी से जांच कराई जाए।

ज्ञापन में बताया गया कि श्रीमती बबीता के पुत्र आदित्य सिंह का विवाह गत 23 जुलाई को इंदौर में परिधि पिता जगदीश निवासी निवासी शिव शक्तिश इंदौर के साथ हुआ था। विवाह के बाद परिधि का व्यवहार ससुराल में परिजनों के साथ ठीक नहीं रहा। वह गत 6 माह से मायके इंदौर में है। परिधि की शिकायत पर बबीता के पति प्रहलाद सिंह रघुवंशी पुत्रगण नितिन, आदित्य सिंह, पुत्रवधू दीप्ति रघुवंशी और पुत्री नेहा सिंह के खिलाफ इंदौर महिला थाने में झूठा प्रकरण दर्ज किया गया है। इस कारण से स्थानीय रघुवंशी समाज में आक्रोश व्याप्त है। प्रकरण की निष्पक्ष जांच उच्च अधिकारी से कराई जाए। आवेदन पर समाज के अध्यक्ष चैन सिंह रघुवंशी समेत कई लोगों के हस्ताक्षर है। ज्ञापन देते समय बसंत सिंह रघुवंशी, विजय सिंह रघुवंशी . अभिभाषक विनोद सिंह, सुरेश सिंह रघुवंशी, सुभाष और सुनील रघुवंशी आदि मौजूद थे। ज्ञापन की प्रति देशबंधु संवाददाता के पास उपलब्ध है।

शिवपुर मातमोर में हुआ जैन समाज सामाजिक संगठन का जिला स्तरीय सम्मेलन

ज़िले भर के श्रीसंघ सम्मेलन में हुए शामिल

देवास, देशबन्धु। जिले के चापड़ा में स्थित श्री मातमोर जैन तीर्थ में जैन समाज सामाजिक संगठन का जिला स्तरीय सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में ज़िले भर के जैन समाज के श्रीसंघ शामिल हुए। ज़िला स्तरीय सम्मेलन में सर्वप्रथम भगवान के समक्ष द्वीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात सम्मेलन में अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति द्वारा एवं सकल जैन समाज के ट्रस्ट मंडल का स्वागत अतिथियों द्वारा किया गया। जिसके बाद संगठन के अध्यक्ष महावीर जैन द्वारा शाब्दिक रूप से स्वागत कर सम्मेलन की शुरुआत की। तत्पश्चात सम्मेलन में संगठन के संयोजक नरेंद्र जैन द्वारा संगठन की ओर से कार्यक्रम की रूप रेखा रखी गई। सम्मेलन में मुख्य वक्ताओं द्वारा जैन समाज के उत्थान, सामाजिक समस्या और उनके समाधान को विषय रखकर अपने विचार रखे। खातेगांव के नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र चौधरी ने कहा कि जैन समाज का महत्व हम इसी बात से जान सकते है कि पूरे देश की आस्था का केंद्र राम मंदिर का मॉडल हमारे नेमावर में स्थित सिद्धाश्रम जैन मंदिर से लिया गया है। उन्होंने बताया कि राम मंदिर ट्रस्ट के चंपत राय जी ने नेमावर आकर नेमावर के सिद्धक्षेत्र जैन मंदिर का निरक्षण कर इस मंदिर के मॉडल को राम मंदिर के लिए अपनाया यह पूरे जैन समाज के लिए गर्व की बात है। नेमावर स्थित जैन मंदिर का निर्माण कार्य अभी भी जारी है जिसके निर्माण में राम मंदिर के निर्माण में इस्तेमाल पत्थर के मुकाबले सवा गुना से ज्यादा पत्थर का इस्तेमाल हो रहा है। इस मंदिर का निर्माण पूर्ण होने पर यह विश्व प्रसिद्ध मंदिर होगा जो कि पूरे देवास जिले के लिए गौरव का विषय है। संगठन के सचिव दिलीप चौधरी ने कहा कि संगठन की 4 इकाई बनाई जाएगी जो पूरे जिले के अलग अलग क्षेत्रों में संगठन को मजबूती प्रदान करेगी। संगठन पूरे जिले में जैन समाज के सदस्यों तक पहुंच कर उनके उत्थान एवं सामाजिक रूप से जिले के अंतिम छोर तक पहुंच कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। सम्मेलन में संगठन के संयोजक नरेंद्र जैन ने संगठन की जिला समिति के सदस्यों के नाम की घोषणा की गई। संगठन को जिले से संभाग स्तर पर पहुंचाने के लिए उज्जैन ज़िले के संयोजक के रूप में नेमीचंद भेरूलाल जैन को नियुक्त किया गया। आगे जल्द शेष ईकाई का गठन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन गौरव दुगड़ एवं राजेंद्र बट्ट ने किया। अंत में आभार चापड़ा जैन समाज अध्यक्ष संतोष बरडिया ने माना। उक्त जानकारी दीपेश जैन ने दी। सम्मेलन में जिले के समस्त जैन ट्रस्ट मंडल के सदस्य एवं समाजजन उपस्थित थे।

सार समाचार

अनीस ठेकेदार का दुखद निधन

आष्टा, देशबन्धु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनीस ठेकेदार पिछले समय से गंभीर रूप से बीमार थे गत रात्रि को उन्होंने अंतिम सांस ली, उनके जनाजे में भारी संख्या में नागरिक गण सम्मिलित हुए, लगभग साठ वर्ष से अनीस खां सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रियता से हिस्सा लेते थे उनके जनाजे में पूर्व नपा अध्यक्ष कैलाश परमार वरिष्ठ पार्षद भैया मियां वरिष्ठ समाज सेवी गण नौशे खान , अनूप जैन कचरू, मसूद खान, भूरू मुकाती, डॉ राजेंद्र जैन, सोहेल मिर्जा पूर्व पार्षद, रिजवान पठान, हेमंत सोनी, मोहम्मद जफर खान, मनीष डूंगरे, महेंद्र टीपाखेरी आदि ने अनीस ठेकेदार को श्रद्धांजलि अर्पित की उनके पुत्र गण आमिर खां, आजम खां इंजीनियर से मिल कर शोक संवेदना व्यक्त की।

कृषि उपज मंडी भाव

आष्टा, देशबन्धु। बुधवार को कृषि उपज मंडी में कुल आवक 7753 क्विंटल की रही। इस दौरान गेहूं सुजाता 2780 से 3442, गेहूं लोकवन 2660 से 2849, गेहूं पूर्णा 2602 से 2870, गेहूं मालवराज 2100 से 2452, गेहूं मिल 2390 से 2520, चना काटा 5400 से 6390, चना मौसमी 5400 से 6390, चना सफेद 7296 से 8471, चना काकटू 5709 से 5870, सोयाबीन पीला 2009 से 4335, मसूर 4260 से 6360, राई 5850 से 62500, मुंग 6980 से 7225 रुपये प्रति क्विंटल नीलाम हुआ।

डॉक्टर डे तो हर रोज होता है भगवान का दूसरा रूप डॉक्टर है : विजयलक्ष्मी

आष्टा, देशबन्धु। डॉक्टर्स डे के पावन अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन शाखा द्वारा एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन कर नगर के प्रतिष्ठित डॉक्टर्स का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद सम्मेलन की प्रार्थना के साथ आयोजन का औपचारिक आरंभ हुआ। इस विशेष अवसर पर शहर के जाने-माने चिकित्सकों डॉ. कुणाल राय, डॉ. गोपाल सिंह ठाकुर, डॉ. मीना सिंगी, डॉ. कैलाश शर्मा डॉ. आर. पी. श्रीवास्तव का शॉल, माला और प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य सलाहकार विजयलक्ष्मी गणेश उपाध्याय ने अपने भावपूर्ण उद्बोधन में कहा, डॉक्टर्स डे केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन, हर पल, हर क्षण डॉक्टरों के योगदान को नमन करने का अवसर है। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की सक्रिय सदस्य बहनों विजयलक्ष्मी गणेश उपाध्याय, रानी सोनी, नीलम सोनी, उषा तिवारी, उर्मिला राजीव गुप्ता, सरोज खंडेलवाल, स्मिता मुंद्डा, सुनीता ऐलजपुरिया, मीना श्रीवास्तव, रितु सोनी, बिना पुरोहित, नम्रता मुंद्डा, वैशाली खंडेलवाल, ममता वर्मा की गरिमामय उपस्थिति रही। अंत में विजयलक्ष्मी उपाध्याय ने सभी डॉक्टर्स और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। यह आयोजन समाज में चिकित्सकों के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक प्रगा करने वाला रहा।

स्वर्गीय फूल सिंह चौहान जयंती आज

आष्टा, देशबन्धु। बहुजन आंदोलन को गति देने वाले महापुरुषों की विचारधारा को आगे बढ़ाने वाले दलित शोषित कमजोर वर्गों की आवाज को बुलंद करने वाले मालवा के क्रांतिकारी नेता स्वर्गीय फूल सिंह चौहान की जयंती 3 जुलाई आज गुरुवार समय 11 से स्थान अंबेडकर भवन में उनके शुभचिंतक अनुयायियों द्वारा जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

जयंती कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत के सदस्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमल सिंह चौहान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के बीच में जयंती मनाएंगे और उनके अधूरे काम को पूरा करने का संकल्प लेंगे जयंती कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामचरण दवारिया बंसीलाल बांबे कृपाल सिंह तोमर आदि ने की।

बलात्कार का आरोपी 72 वर्षीय बुजुर्ग गिरफ्तार

सिरोंज, देशबन्धु। थाना मुरवास पुलिस की तत्परता से बलात्कार के आरोपी 72 वर्षीय कमर लाल पिता परसा नायक निवासी कंजी टपरा वांसखेड़ी अजीत थाना सिरोंज को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। प्रकरण में पीड़िता द्वारा थाना मुरवास में बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई गई। जिस पर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 69/25 अंतर्गत धारा 64(1), 351(3) बीएनएस तथा 3(1)(2)(i), 3(1)(2)(ii), 3(2)(1) एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की। एसडीओपी उमेश तिवारी अतिरिक्त प्रभार लटेरी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर विधिवत न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में उमेश तिवारी एसडीओपी सिरोंज/लटेरी, थाना प्रभारी उनि राजेश मिश्रा, सउनि रामनरेश शर्मा, आरक्षक प्रदीप रघुवंशी, प्रिंस देवलिया व रवि जाट की प्रमुख भूमिका रही।

शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातक महाविद्यालय में प्रवेशोत्सव मनाया गया

आष्टा, देशबन्धु। शहीद भगतसिंह शासकीय महाविद्यालय में प्रवेशोत्सव मनाया गया, जिसमें नए सत्र की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन के साथ की गई। इस अवसर पर नए सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्रों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया और उन्हें उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य धर्मेंद्र सूर्यवंशी ने कहा कि सत्र 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया चल रही है जिन विद्यार्थियों ने अभी तक प्रवेश ले लिया है उन नवीन विद्यार्थियों को महाविद्यालय से परिचित कराने के लिए तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह 2025-26 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज में उत्साह और उमंग का माहौल लेकर आया, जहां छात्रों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया गया। समारोह का मुख्य उद्देश्य छात्रों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में विद्यार्थी मौजूद रहे। संचालन डॉ दीपेश पाठक द्वारा किया गया।

नगर में 7 नए आधार केन्द्र शुरू किए

सिरोंज, देशबन्धु। नगर में आधार केंद्रों की कमी के कारण नागरिकों को होने वाली परेशानी को देखते हुए प्रशासन ने सात और नए केंद्र खोले हैं। नागरिकों को स्कूल के एडमिशन, ई केवाईसी आदि कार्यों को करने के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और आधार केंद्रों की कमी के कारण नागरिकों के कार्य पूर्ण नहीं हो पाए थे। सिरोंज में पूर्व के 3 आधार केंद्रों के अतिरिक्त नवीन आधार केंद्र शुरू हो रहे हैं जिनमें बीआरसी भवन, तहसील प्रांगण,आईटी सेंटर, तहसील प्रांगण, पुराना अस्पताल, जेल बिल्डिंग प्रांगण, पीडब्ल्यूडी ऑफिस, कोर्ट गेट,महिला एवं बाल विकास ऑफिस, कोर्ट गेट, बीआरसी ऑफिस, हाजीपुर, जनपद कार्यालय हैं। एसडीएम हर्षल चौधरी ने सभी नागरिकों को सामग्र की ई के वाय सी कराने कृषकों को फार्मर रजिस्ट्री कराने की अपील की है जिससे शासन की योजनाओं का सतत लाभ मिल सके।

व्यवस्थित दिनचर्या ही स्वस्थ शरीर की निशानी : बीएमओ

आष्टा, देशबन्धु। इंसान का शरीर उस समय बीमारियों से घिर जाता है तब इंसान की दिनचर्या अव्यवस्थित रहती है, जिससे शरीर का संतुलन बनाए रखने में शरीर के अंगों को दुगुना कार्य करना पड़ता है इसीलिए इंसान को व्यवस्थित दिनचर्या का पालन ओर व्यायाम कर अपने शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए उक्त बाते सिविल अस्पताल के बीएमओ अमित माथुर ने डॉक्टर्स डे पर इनरव्हील क्लब द्वारा आयोजित आयोजन में कही। जो व्यक्ति कम नींद लेता है उसे हार्ट अटैक का खतरा रहता है। नींद पूरी न होने से नर्वस सिस्टम डाउन रहता है ओर ठीक से कार्य न करने पर हार्ट पर असर होता है जिससे आजकल लोगों में दिल की बीमारियां बड रही है। आयोजन की शुरुआत में सर्वप्रथम भगवान गणेश के समक्ष बीएमओ डॉक्टर अमित माथुर, डॉक्टर जी.डी सोनी, डॉक्टर

अर्चना सोनी ने दीप प्रज्वलित किया उसक बाद इनरव्हील क्लब की प्राथना कर प्रारंभ किया। तत्पश्चात डॉक्टर्स का उद्बोधन हुआ फिर इनरव्हील क्लब की सदस्यों ने डॉक्टर्स को सम्मानित किया गया। आयोजन के बाद अस्पताल परिसर में पर्यावरण को संयोजने के लिए पौधा रोपण किया गया ज्ञात को हरियाली महोत्सव में क्लब के आयोजनों में पौधा रोपण किया जाता है और पौधे को पेड़ बनने तक उसकी देखरेख का संकल्प लिया जाता है। वही संचालन चंदा वोहरा न ओर आभार दीपिका सोनी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर क्लब की सदस्य चंदा वोहरा, जय वोहरा, हेमलता सोनी, सरोज पालीवाल, विद्या खंडेलवाल, डॉ अर्चना सोनी, किरण रांका, अर्चना सोनी, दीपिका सोनी, मंदा कासलीवाल, सुनीता सोनी, श्रद्धा पालीवाल, डॉ शाइनी अंजुम उपस्थित थी।

संगीतमय श्रीमद् भागवत में मनाया गया गोवर्धन पूजा पर्व

आष्टा, देशबन्धु। विगत 20 वर्षों से भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा महोत्सव अलीपुर जगदीश मंदिर से आनंद धाम बुधवारा स्तिथ मौसी के घर पहुचने का सिलसिला सतत जारी है। पंडित गजेंद्र शास्त्री धर्माधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष भी आनंद धाम बुधवारा पर भगवान जगन्नाथ जी रथयात्रा के साथ अपनी मौसी के घर आनन्द धाम पधारे हैं। भगवान के पधारने पर संगीत मय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजित किया गया है। आज कथा के पांचवे दिन कथा व्यास पंडित कन्हैयालाल शर्मा ने बताया कि भगवान कृष्ण के जन्म के बाद पुतना का वध किया। यशोदा मैया के साथ शरारते,कृष्ण की माखनचोरी, गोवर्धन पर्वत को उंगली पर उठाना,कालिया नाग का मर्दन करना,कंस के आमंत्रण पर कृष्ण का मथुरा गमन आदि का विस्तार से वर्णन किया गया। आनन्द धाम पर भागवत जी 28 जून से 4 जुलाई तक दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक हो रही है। पंडित भवानी शंकर शर्मा ने सभी भागवत प्रेमियों,भक्तगणों से अपील की है कि आप सभी भक्तगण सापरिवार सादर आमंत्रित है। पंचम दिन भागवत कथा में कालू भट्ट पूर्व पार्षद, रवि शर्मा पार्षद, अंजनी विशाल चौरसिया पार्षद निलेश शर्मा एडवोकेट,प्रेम

नारायण शर्मा,हरिनारायण शर्मा, संजीव दीक्षित, मनोज सोनी, अशोक सोनी, जगदीश पाटीदार, बृजमोहन सोनी, पं0 किशोर तिवारी, आनंद शर्मा, अनुराग शर्मा, दीपक सेन, क्षमा शर्मा, गोपाल ताम्रकार, प्रीति कमलेश ताम्रकार, सरकार परिवार, राधेश्याम नायक, राधा महेंद्र शर्मा उमेश ताम्रकार, रमा गजेंद्र शर्मा, शिव श्री वादी, ज्ञान सिंह ठाकुर, पंडित भवानी शंकर शर्मा, उमा चंद्रशेखर शर्मा, चंचु ताम्रकार, मेघा मुन मुन, गोपाल सोनी, देव शर्मा, बृजमोहन सोनी, दीपेश गोतम ,पं0किशोर तिवारी, चद्रेश ज्ञानेंद्र मुदगल हेमराज कुशवाहा सनातन शर्मा गायत्री माता मनीषा मेवाड़ा सहित सभी महिला मंडल एवं सभी भक्तगणों द्वारा कथा का श्रवण किया गया।

श्रद्धालुओं के खींचने से आगे बढ़ा रथ, भगवान ने दिए दर्शन

- नगर में पहली बार भव्य रूप से निकाली भगवान जगन्नाथ की यात्रा, बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु
- 2 किलोमीटर तक निकाली गई यात्रा का 40 से अधिक स्थानों पर हुआ स्वागत
- संत और समाजजनों ने किया यात्रा का शुभारंभ

भेरूंदा, देशबन्धु। नगर में बुधवार को भव्य रथ यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर नगर में अनेक स्थानों पर रथ में सवार भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलदाऊ का भव्य स्वागत किया गया। सुबह यहां पर मौजूद आधा दर्जन से अधिक पंडितों ने यहां पर सुबह गर्भगृह से प्रभु को निकाला और भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व बड़े भाई बलदाऊ आदि का पूर्ण विधि-विधान से अभिषेक कराया इसके बाद महाआरती के बाद बड़ी संख्या में भजन मंडली द्वारा ढोल-नगाड़े के साथ भगवान करीब 2 किलोमीटर से अधिक भ्रमण निकले दोपहर को नगर के सर्व मंगलम पैलेस इंदौर रोड में विश्राम के बाद भगवान को नगर के इंदौर रोड सर्वमंगलम में विराजमान किया जाएगा। इस मौके पर नगर पंडित बृजेंद्र शर्मा, सुरेश व्यास, पारस वर्मा, संतोष खंडेलवाल, आदि ने चल समारोह के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सर्वमंगलम में सुबह पूर्ण विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई थी, इसके बाद दोपहर 2 बजे से एक घंटे तक महाआरती की गई। इसके अलावा यहां पर परिसर में भव्य बनाकर संतों, जनप्रतिनिधियों का समाज के पदाधिकारियों ने सम्मान किया। बुधवार को दोपहर 2 बजे करीब नगर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। नगर भेरूंदा के इंदौर रोड, सर्व मंगलम पैलेस हरि सिटी से प्रारंभ हुई, सीहोर नाका, दुर्गा मंदिर चौराहा,बस स्टैंड होते हुए कृषि उपज मंडी प्रांगण मे यात्रा का समापन हुआ।

रथ को आकर्षक तरीके से सजाया गया था और प्रतीक के तौर पर रस्सी से भी लगाई थी। श्रद्धालुओं के धक्के और रस्सी खींचने पर रथ आगे बढ़ा। भगवान जगन्नाथ की यात्रा जीर्णोद्धार के साथ शुरु की थी। रथ यात्रा का सामाजिक संगठनों द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया। मंदिर में भजन मंडलों द्वारा उत्साह के साथ भजन-कीर्तन किया गया और उसके बाद बुधवार में चलित झांकियों को आस्था के साथ रथ में विराजमान किया गया और रथ यात्रा में आधा दर्जन से अधिक भजन मंडल भी शामिल थे। रथ यात्रा में हनुमान और वृद्धावान के कलाकारों ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर ने बताया कि अब बुधवार की पूरी रात्रि को नगर के भजन मंडलों के द्वारा मंदिर में जागरण किया जाएगा। यात्रा समापन के बाद मंडी में सभी भक्तों को महाप्रसादी का वितरण किया गया।

धरती आवा योजना के तहत किसानों को बांटे बीज

खजुराहो, देशबन्धु। विकास खण्ड राजनगर के कृषि विभाग द्वारा ग्राम पंचायत धोगुवां के आदिवासी ग्राम सिंगरों में आदिवासी किसानों को धरती आवा योजना के अंतर्गत खरीफ बीजों का वितरण किया गया। इस मौके पर जनपद पंचायत राजनगर की कृषि स्थाई समिति के अध्यक्ष प्रतिनिधि बृजगोपाल पटेल, पंचायत सचिव हरिश्चंद्र तिवारी, एसएडीओ बीके श्रीवास्तव, फ़सल बीमा प्रतिनिधि दीपेंद्र सिंह राजपूत, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अजय यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। बता दें कि इस बारे में कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने निर्देश दिए थे। इसके पालन में उपसंचालक कृषि केके वैद्य के मार्गदर्शन में आदिवासी किसानों को बीजों का वितरण किया गया है।

किसानों से लाखों का अनाज खरीदकर व्यापारी फरार, मांगा न्याय

छतरपुर, देशबन्धु। बड़ामलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरिया समेत आसपास के कई गांवों के दर्जनों किसानों से लाखों रुपए का अनाज खरीदकर व्यापारी फरार ही गया है। अब किसनिन ने एसपी आफिस में आवेदन देकर न्याय मंगा है।

किसानों का आरोप है व्यापारी मनोज उर्फ भोला असाटी पुत्र सरजू प्रसाद असाटी ने अप्रैल माह में उनके खेतों से गेहूं खरीदा, लेकिन आज तक भुगतान नहीं किया गया। अब व्यापारी अब फरार हो गया है। किसान महेन्द्र कुमार दुबे ग्राम पिपरिया ने बताया पिछले पांच वर्षों से मनोज असाटी के साथ उनका लेन-देन था, जिस पर उन्होंने भरोसा कर इस बार भी अपना गेहूं दे दिया। शुरुआत में व्यापारी ने 8 दिन में भुगतान करने की बात

कही, फिर 15 दिन और आखिरकार 10 जून की तारीख दी। 10 जून के बाद से वह गायब है। करीब 12 से 13 किसानों को लगभग 30 लाख रुपए की राशि मिलनी है। ग्राम पिपरिया की महिला किसान ललिता राजपूत ने बताया उनके बच्चों का एडमिशन होना है लेकिन पैसे न मिलने के कारण वे बहुत परेशान हैं। व्यापारी द्वारा उनके 80 हजार रुपये भी नहीं लौटाए गए हैं। किसानों का कहना है कि व्यापारी का मोबाइल फोन चालू है, उसके पिता एवं बहन भी घर पर हैं, लेकिन अब वे भी कोई मदद नहीं कर रहे। पीड़ित किसानों ने बताया उन्होंने बड़ामलहरा थाने में एक माह पहले शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। अब प्रशासन से मांग की है कि धोखेबाज व्यापारी पर सख्त कार्रवाई की जाए।

संदिग्ध हालातों में नवविवाहिता की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के नौगांव कस्बे के कैफेटेरिया में रहने वाली 7 माह की गर्भवती नवविवाहिता प्रियंका साहू की संदिग्ध हालातों में मौत हो गई है। मायके पक्ष के लोगों ने इस मामले में ससुराल पक्ष पर पीट-पीटकर प्रियंका की हत्या करने, फिर फांसी पर लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराते हुए जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, जिले के थाना क्षेत्र अंतर्गत थरा गांव निवासी कल्लू साहू की पुत्री मृतका प्रियंका साहू 25 वर्ष का विवाह तीन साल पहले नौगांव निवासी पुष्पेंद्र साहू के साथ हुआ था। शादी के बाद दंपति की एक दो वर्ष की पुत्री है और वर्तमान में प्रियंका सात माह की गर्भवती भी थी। प्रियंका की मां मानबाई साहू, पिता कल्लू साहू

और भाई कृष्ण साहू ने बताया मंगलवार की सुबह लगभग 11 बजे प्रियंका ने फोन पर बताया था, ये लोग मुझे मार रहे हैं। इतने में ही प्रियंका के पति पुष्पेंद्र ने कथित रूप से फोन छीन लिया और बात बंद हो गई। इसके बाद परिजनों का प्रियंका से संपर्क नहीं हो सका। उसी दिन देर शाम पुलिस द्वारा परिजनों को सूचना दी गई कि प्रियंका ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही परिजन तुरंत नौगांव अस्पताल पहुंचे, जहां प्रियंका मृत अवस्था में मिली। प्रियंका के शरीर को देखने पर परिजनों ने दावा किया कि उसके शरीर पर कई चोटों के निशान थे, जिससे शक गहराता गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया मामला बेहद संवेदनशील है, हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। फिलहाल मर्ग कायम किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह आत्महत्या है या फिर सुनियोजित हत्या। प्रियंका की मौत ने क्षेत्र में शोक और आक्रोश दोनों का माहौल पैदा कर दिया है। परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और उन्हें न्याय दिलाया जाए।

वन्य-जीव रेस्क्यू सेंटर विकसित करने मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश, कहा-

वनतारा जैसे नवाचारों से वन्य-जीव संरक्षण और ईको-सिस्टम बनेगा

- चीतों के पुर्नस्थापन की तैयारी
- वनवासियों के अधिकारों का किया जा रहा सम्मान

भोपाल, देशबन्धु। राज्य में 'जियो और जीने दो' की भावना को केंद्र में रखकर सह-अस्तित्व आधारित ईको-सिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिससे न केवल जैव विविधता का संरक्षण हो रहा है, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है और वनवासियों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में कई नवाचार किए जा रहे हैं इनमें वन्यजीव अभयारण्यों के संरक्षण और प्रबंधन में उच्च तकनीक का अनुप्रयोग, गुजरात के 'वनतारा' से प्रेरित रैस्क्यू सेंटर, दुर्लभ जीवों जैसे चीते, घड़ियाल एवं कछुओं के एक अभयारण्य से दूसरे में पुर्नस्थापन और संरक्षित क्षेत्रों की फेंसिंग शामिल हैं। डॉ. यादव ने आज वन विभाग के अधिकारियों को गुजरात के 'वनतारा' वन्यजीव पुनर्वास केंद्र का अध्ययन कर प्रदेश में भी ऐसा ही रेस्क्यू और एनिमल वेलफेयर प्रोजेक्ट स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल वन्यजीवों के संरक्षण और पुनर्वास में एक नई मिसाल पेश करेगी। साथ ही उन्होंने प्रदेश के घने वनों और वन्यजीव पर्यटन को राजस्व वृद्धि का एक प्रमुख माध्यम बताया। उन्होंने वन अधिकारी-कर्मचारियों के लिए विशेष सुविधाओं और उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रोत्साहन की घोषणा की।

उन्होंने यह भी बताया कि वन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रदेश में वन क्षेत्र और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश में वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया जारी है। जैव-विविधता को बढ़ावा देने के लिए कई स्थलों को जैव-विविधता विरासत घोषित किया गया है। वन-अग्नि की घटनाओं पर विभाग की प्रतिक्रिया अब पहले से अधिक त्वरित हुई है, जो प्रभावी वन प्रबंधन को दर्शाता है।

अफ्रीका से लाए चीतों की कूनो में सफल पुनर्स्थापना के बाद इन चीतों को प्रदेश एवं देश के दूसरे अभयारण्यों में बसाने की प्रकिया भी प्रारंभ की जा चुकी है। प्रदेश के बुंदेलखंड वन क्षेत्रों में फैले वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीता पुनर्स्थापना की तैयारियां चल रही हैं, जिससे जैव विविधता में वृद्धि होगी। जलीय जीव संरक्षण के रूप में नर्मदा में महाशीर मछली जैसे जलजीवों के लिए प्रजनन केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। चंबल में कछुआ, मगरमच्छ एवं घड़ियाल एवं गंगा डॉल्फिन के संरक्षण के लिए केंद्र पहले से ही स्थापित हैं। संरक्षित क्षेत्रों के लगभग 160 किलोमीटर क्षेत्र में फेंसिंग की जा रही है। इससे वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। डॉ. यादव ने कहा कि टाइगर रिजर्व की घोषणा से जनजातीय समुदायों और वनवासियों के अधिकारों को प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा और उनका पूर्ण सम्मान किया जाएगा। सह-अस्तित्व के लिए सह-प्रबंधन की नीति अपनाई जाएगी और जहां आवश्यक होगा, वहां पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

भारत-जर्मनी सहयोग से सतत विकास लक्ष्यों पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आज

भोपाल, देशबन्धु। सतत विकास के लक्ष्यों को स्थानीय स्तर पर क्रियान्वित करने में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। इसी क्रम में सतत विकास लक्ष्यों के क्रियान्वयन में निजी उद्योग की भूमिका और सहभागिता को बढ़ाने के लिए भारत जर्मन सहयोग परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा विशेषज्ञों की राष्ट्रीय कार्यशाला भोपाल के कोर्टयार्ड बाय मैरियट भोपाल में 3 जुलाई को सुबह 10 बजे से आयोजित की गई है।

कार्यशाला में मध्यप्रदेश के विभिन्न विभाग, जिलों के प्रतिनिधियों, नीति आयोग, जर्मनी की संस्था जीआईजेड के प्रतिनिधियों से सतत विकास के लक्ष्यों और उनके स्थानीयकरण के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। कार्यशाला में जर्मन दूतावास और यूएनडीपी के प्रतिनिधि, भारत जर्मन सहयोग परियोजना की प्रमुख श्रीमती हेनरी पेईचर्ट, नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार राजीव कुमार सेन और सतत विकास लक्षण के क्रियान्वयन से जुड़े विषय विशेषज्ञ, आर्थिक सलाहकार, कॉर्पोरेट भागीदारी से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग 4 को करेगा जनसुनवाई

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश की पिछड़े वर्ग की जातियों को केन्द्र की सूची में शामिल करने के संबंध में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग 4 जुलाई 2025 को भोपाल में जन सुनवाई करेगा। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर और आयोग के सदस्य भूवन भूषण कमल जनसुनवाई करेंगे।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की जनसुनवाई राज्य अतिथि गृह (व्हीआईपी गेस्ट हाउस) लालघाटी में 4 जुलाई को पूर्वान्ह 11 बजे से प्रारंभ होगी। इसमें मध्यप्रदेश की पिछड़े वर्ग की 32 जातियों (जो राज्य पिछड़ावर्ग की सूची में है, किन्तु केन्द्र की सूची में नहीं हैं।) को केन्द्र की सूची में शामिल करने पर सुनवाई करेंगे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान से उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने की चर्चा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में कार्यों, नवाचारों और प्रगति से अवगत कराया

भोपाल, देशबन्धु। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को भोपाल में भेंट कर उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा को लेकर सारगर्भित चर्चा की।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में राज्य शासन के नीतिगत निर्णयों, शिक्षा में किए जा रहे कार्यों एवं नवाचारों से अवगत कराया। श्री परमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसरण में प्रदेश के समस्त जिलों में स्थापित किए गए प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस और उनमें भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ की स्थापना एवं प्रगति के सम्बंध में अवगत कराया। श्री परमार ने पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परम्परा के द्रुतगति से समावेश के लिए विभिन्न कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों से प्राप्त अनुशंसाओं की जानकारी भी दी।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान को उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा में भारतीय भाषा के समावेश के लिए हो रहे कार्यों की जानकारी से भी अवगत कराया। श्री परमार ने विद्यार्थियों के गुणात्मक एवं संज्ञानात्मक विकास के लिए मजबूत आधार तैयार करने, उद्योगजगत की आवश्यकता अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की समावेशिता को बढ़ावा देने और देश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित एवं संवर्धित करने के लिए किए जा रहे कार्यों एवं प्रगति से भी अवगत कराया।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, सचिव स्कूल शिक्षा डॉ संजय गोयल, आयुक्त तकनीकी शिक्षा अवधेश शर्मा सहित उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने खंडेलवाल को दी बधाई

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विधायक हेमंत खंडेलवाल को निर्विरोध भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई दी है। श्री तोमर ने कहा है कि श्री खंडेलवाल का सुदीर्घकालीन संगठनात्मक अनुभव, संगठन के प्रति निष्ठा, प्रतिबद्धता, सहजता, सादगी एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीय लगाव उनके इस पद पर चयन को प्रतिपादित करता है। विस अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि मुझे विश्वास है कि श्री खंडेलवाल के नेतृत्व में प्रदेश संगठन नई ऊर्जा, नवाचार और समन्वय के साथ और अधिक सशक्त होगा तथा कार्यकर्ताओं को केन्द्र में रखकर राष्ट्र प्रथम के हमारे ध्येय की ओर अग्रसर होगा। श्री तोमर ने कहा कि उनका संगठनात्मक अनुभव कार्यकर्ताओं को नई दिशा प्रदान करने में सहायक होगा।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से बुधवार को विधानसभा स्थित कार्यालय में देशबन्धु के प्रबंध संचालक पलाश सुरजन ने मुलाकात कर उन्हें 'मध्यप्रदेश के इतिहास में महिलाएं' नामक पुस्तक भेंट की।

प्रथम पृष्ठ का शेष

हिमाचल में 16 जगह बादल.... क्षेत्र में बारिश में गागर नदी में मछली पकड़ने गए 3 पहाड़ी कोरवा बच्चे 4 घंटों तक फंसे रहे। अचानक नदी का जलस्तर बढ़ने से यह हादसा हुआ। नदी का जलस्तर कम हुआ, तो बच्चों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया। सभी बच्चे सुरक्षित हैं। ओडिशा के बालासोर जिले में बाढ़ की स्थिति बहुत गंभीर हो गई। जिले के उत्तरी हिस्से में करीब 100 गांवों में सड़कों और खेतों में पानी भर गया है। बाढ़ का पानी भरने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि उत्तरी ओडिशा की सभी बड़ी नदियों का जलस्तर कम हो रहा है, लेकिन बहुत से गांव अभी बी पानी में डूबे हुए हैं। प्रशासन ने बालासोर, मयूरभंज और जाजपुर जिलों में राहत और बचाव काम तेज कर दिया है।

शेख हसीना को 6 माह.... गया है। अदालत की अवमानना के मामले में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण शकील बुलबुल को भी दो महीने जेल की सजा सुना चुका है। 30 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने न्यायाधिकरण के सामने मामले को पेश किया था और शेख हसीना के बयान को पीड़ितों और गवाहों को धमकाने की कोशिश बताया। जांचकर्ताओं ने फोरेंसिक जांच के आधार पर बताया कि ऑडियो क्लिप में शेख हसीना की ही आवाज है।

संसद की सुरक्षा में सेंध.... का विरोध करते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त और पुख्ता सबूत हैं। पुलिस का तर्क था कि जमानत देने से इनके भागने, गवाहों को प्रभावित करने और सबूतों से छेड़छाड़ करने का जोखिम है। पुलिस ने आरोपियों को शक्तिशाली और प्रभावशाली बताते हुए कहा कि इनकी रिहाई जांच में बाधा डाल सकती है।

हम की भावना से बढ़ती है.... है इसी से हमारी ताकत बढ़ती है। डॉ. यादव ने कहा कि हमारे संगठन पर्व का एक चरण पूरा हो गया है, लेकिन हम सभी संकल्प लें कि अपने दायित्व का निर्वाह करते हुए मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए आगे बढ़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी संगठन प्रक्रिया बड़ी सहजता के साथ संपन्न हुई, लेकिन चुनौतियां अभी भी हमारे सामने है। हमारे विरोधी षडयंत्र पर षडयंत्र रच रहे हैं और इन षड़यंत्रों के बलबूते पर अपने मंसूबों को पूरा करना चाहते हैं।

अचानक मौतों की वजह.... आईसीएमआर की मदद से की जा रही है। इसका मकसद युवा वयस्कों की अचानक मौतों के कारण पता लगाना है। स्टडी के शुरुआती आंकड़ों से पता चला कि दिल का दौरा या मायोकार्डियल इंफार्क्शन इस उम्र में अचानक मौत का प्रमुख कारण है। अहम बात यह है कि पिछले कई सालों में अचानक मौत के कारणों के पैटर्न में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। अधिकतर मौतों का कारण जेनेटिक म्यूटेशन है। यह स्टडी अभी जारी है।

लोकपथ मोबाइल ऐप की सफलता पर मंत्री सिंह ने दी बधाई

95 प्रतिशत से अधिक समस्याओं का हुआ त्वरित समाधान

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के लोक निर्माण विभाग द्वारा विकसित लोकपथ मोबाइल ऐप ने अपनी पहली वर्षगांठ के साथ एक सराहनीय उपलब्धि दर्ज की है। बुधवार को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में इस अवसर पर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें ऐप के अब तक की सफलता, नागरिकों की भागीदारी और आगामी लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लोकपथ ऐप की शुरुआत 2 जुलाई 2024 को की गई थी। ऐप ने अपने पहले ही वर्ष में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अब तक इस ऐप पर 7800 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 95 प्रतिशत से अधिक का त्वरित समाधान कर दिया गया है। लगभग 1.5 लाख नागरिकों द्वारा ऐप को डाउनलोड किया जाना यह दर्शाता है कि जनता में इसकी उपयोगिता और विश्वसनीयता को लेकर गहरी स्वीकार्यता बनी है। ऐप की सफलता पर मंत्री श्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों को बधाई देते हुए लोकपथ ऐप को जनभागीदारी आधारित डिजिटल गवर्नेंस का प्रभावी उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष में ऐप के 5 लाख डाउनलोड सुनिश्चित करने का लक्ष्य है, जिसके लिए व्यापक जनजागरण और प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा। लोकपथ ऐप को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली जब 'कौन बनेगा करोड़पति' जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अभिनेता अमिताभ बच्चन ने इससे संबंधित प्रश्न प्रस्तुत किया। इससे यह स्पष्ट होता है कि मध्यप्रदेश का यह नवाचार अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणास्रोत बन चुका है। बैठक में प्रमुख अभियंता केपीएस राणा, एस.आर. बघेल, भवन विकास निगम के प्रमुख अभियंता अनिल श्रीवास्तव, सड़क विकास निगम के तकनीकी सलाहकार आर.के. मेहरा, भोपाल परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय मस्के, आनंद राणे, बी.पी. बोरासी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे और ऐप के क्रियान्वयन व सुधार की दिशा में अपने बहुमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।